04 - जापान की पहली महिला पीएम और एशिया की नई कहानी

05 - भाप में जिंदगी ढूंढते हैं दुनिया भर के लोग

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 04 नवम्बर, 2025

06 - 140 करोड़ भारतीयों ने सपना बुना था उसे साकार कर भारत की बेटियों ने...

07 - खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं: प्रभारी मंत्री श्री पवार

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 65, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

पहली बात

यह भारतीय क्रिकेट की देवियों का नया अवतार है...

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

आईसीसी महिला वन-डे वर्ल्ड कप 2025 में कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का विश्व चैम्पियन बनना दरसअल भारतीय क्रिकेट की देवियों का नया अवतार है। 52 साल पहले शुरू हुए इस टूर्नामेंट में भारतीय बेटियों की इस पहली खिताबी जीत ने 1983 में भारतीय कप्तान कपिल देव के नेतृत्व में पुरूष क्रिकेट टीम द्वारा पहली बार जीते वन-डे विश्वकप की याद दिला दी। जिसने भारत में क्रिकेट को एक धर्म में तब्दील कर दिया। अब भारत की छोरियों ने उसी धर्म को नई ऊंचाइयां और विस्तार देते हुए पुरूष और महिला क्रिकेट में एक नया अद्वैत स्थापित कर दिया है कि मुकाबला कोई-सा भी हो, हम किसी से कम नहीं। यह भारतीय क्रिकेट के कायांतरण का दूसरा अध्याय है। इस अद्वैत का आनंद अवर्णनीय है।

भारत में महिलाएं क्रिकेट तो पचास सालों से भी ज्यादा समय से खेल रही हैं। लेकिन उसे बहुत गंभीरता से शायद ही कभी लिया गया हो। यहां तक कि दो बार अंतरराष्ट्रीय महिला वन-डे कप में फाइनल तक पहुंचने के बाद भी महिला क्रिकेट को तुच्छे भाव से ही देखा जाता रहा। मानो इस खेल पर पुरूषों के एकाधिकार का ठप्पा लगा हो। दुर्भाग्य से हर मामले में महिलाओं को खुद को 'प्रूव' करने पुरूषों से ज्यादा मशक्कत करनी पड़ती है। बार-बार अग्नि परीक्षाएं देनी पड़ती हैं। लेकिन बेटियां हैं कि पीछे नहीं हटतीं। नवी मुंबई के डी.वाय.पाटिल स्टेडियम पर 2 नवंबर को यशस्विता का यही पर्व बिल्कुल नए अंदाज में और पूरी दमदारी के साथ लिखा गया।

यूं भारतीय महिला टीम से उम्मीदें तो इस बार भी थीं। लेकिन उसके किसी तरह सेमीफाइनल में पहुंचने की जद्दोजहद के बाद शंका होने लगी थी कि यह सफर अधूरा ही खत्म न हो जाए। लेकिन टीम हरमन की तारीफ करनी होगी कि सेमीफाइनल से उसने अपनी ही ताकत को पहचाना और उसमें लगातार सुधार करते हुए हर हाल में जीत के जज्बे को पुख्ता किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम प्रबंधन ने कई बार जोखिम भरे लेकिन दूरदर्शितापूर्ण निर्णय लिए, जिससे बाजी पलटने में मदद मिली। मसलन ऑस्ट्रेलिया के साथ सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स को ऊपर के क्रम में भेजना। रिचा घोष की काबिलियत का सही इस्तेमाल करना। टीम की भरोसेमंद ओपनर प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद अचानक युवा शेफाली वर्मा से, जो पहले टीम में ही नहीं थी, को बुलाकर ओपनिंग करवा कर गेंद थमाना वाकई उत्कृष्ट कप्तानी की मिसाल थी। शेफाली मानो धूमकेतु की तरह आई और छा गई। रन भी बनाए और सही मौके पर विकेट भी चटकाए। 22 साल से भी कम उम्र की ये लड़की पहले अपने पहले वर्ल्ड कप के फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' का खिताब अपने नाम कर गई। भारतीय महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन कई डिपार्टमेंटों में सराहनीय रहा। यही कारण है कि दीप्ति शर्मा को सर्वाधिक विकेटों के साथ उल्लेखनीय रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की ट्रॉफी मिली। यानी भारत की बेटियों ने केवल आईसीसी ट्रॉफी ही नहीं जीती, बाकी अवॉर्ड भी जीते। इस मायने में खेल के मैदान में भारतीय टीम की यह चौतरफा जीत है। इस टीम ने अंतरराष्ट्रीय महिला वन-डे विश्वकप टूर्नामेंट में सात बार चैम्पियन रही ऑस्ट्रेलियाई टीम का घंमड भी तोड़ा। साथ ही पहली बार ये ट्रॉफी भारत और एशिया में लेकर आई।

इस शानदार जीत से भारतीय महिला क्रिकेट को यकीनन नई उड़ान और लोकप्रियता मिलेगी। इसका पहला प्रमाण तो फाइनल मैच के दिन दर्शकों से खचाखच भरा स्टेडियम था, जिसमें महिलाओं से ज्यादा तादाद पुरूषों की थी। संदेश साफ है कि अब महिला क्रिकेट को 'हल्के में' नहीं लिया जा सकेगा। आइंदा वक्त में ये मैच उतने की रोमांचक और दर्शनीय होंगे, जितने कि पुरूषों के क्रिकेट मैच होते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह 'विश्व विजय' स्त्री शक्ति की पुरूष वर्चस्व को खुली चुनौती है तथा समुचित सम्मान और स्वीकार्यता का खेल भावना में पगा आग्रह भी है। यह एक अलार्म भी है कि दुनिया किसी की लैंगिक बपौती नहीं है। खासकर खेल तो नहीं ही है। क्रिकेट की 'जेंटलमैन' दुनिया में 'जेंटल वीमेन' का यह सुंदर और जानदार हस्तक्षेप है। इसमे यह चेतावनी भी निहित है कि बात प्रतिस्पर्द्धा की हो तो बेटियां भी उतनी ही आक्रामक, निर्मम और जुझारू हो सकती हैं। यही भारतीय महिला क्रिकेट का नया अवतार है। देवी के शक्ति रूप का नया विस्तार है। यह अदम्य आकांक्षा को जीने वाली भारतीय बेटियों की महत्वांक्षाओं के साम्राज्य में स्पष्ट मुनादी है कि कोई क्षेत्र अब उनसे अछूता और अविजित नहीं है। बस, जरूरत है, उन्हें अवसर देने और उनकी क्षमताओं को मन से स्वीकार करने की।

जहां तक क्रिकेट की बात है तो पुरूष महिला समानता के संवैधानिक मूल्य की व्यावहारिक इबारत तभी लिख दी गई थी, जब 2006 में बीसीसीआई द्वारा आईसीसी के निर्देश पर भारत में अलग महिला क्रिकेट बोर्ड को भंग कर सभी को बीसीसीआई के छाते तले लाया गया। महिला खिलाड़ियों को भी पुरूष खिलाड़ियों के समान धनराशि और सुविधाएं देने की शुरूआत हुई। उन्हें पुरूष टीम के जैसी ही कोच व सहायता उपलब्ध कराई गई। पुरस्कार और प्रोत्साहन की राशि एक-सी कर दी गई। महिला खिलाड़ियों के लिए डब्लूपीएल शुरू हुआ। इससे महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा और जीत की जिद भी पक्की होती गई। उन्हें लगा कि क्रिकेट में भी कॅरियर और कमाई हो सकती है। इस का नतीजा धीरे-धीरे दिखने लगा। 2007 और 2015 के अंतरराष्ट्रीय महिला वन-डे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची। लेकिन बेटियों के इस पराक्रम पर स्वर्ण कलश चढ़ना अभी बाकी था, जो टीम हरमनप्रीत कौर ने प्रतिष्ठापित कर दिखाया। क्रिकेट की वीरागंनाएं समाज के अलग वर्गों से और कुछ तो बहुत ही साधारण गरीब परिवारों से आई हैं, लेकिन उनमें संघर्ष और जीत का जज्बा आकाश जैसा है। न भूलें कि मध्यम और निम्न वर्ग से उठकर आने वाली प्रतिभाओं ने ही भारत में पहले पुरूष क्रिकेट को ताकतवर बनाया, अब वही महिला क्रिकेट की संजीवनी बनकर उभर रहा है। जाहिर है कि भारत में महिला क्रिकेट ने नए अवतार का यह मंगलाचरण है। गौरवशाली शुरूआत है। अभी तो कई क्षितिजों को छूना है। जिस तेजी से प्रतिभाशाली युवा बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के दरवाजे खटखटा रही हैं, उसे यह भरोसा और पुख्ताव होता है कि हम इस क्षेत्र में भी वैश्विक ताकत बनते जा रहे हैं। एक देश को इससे ज्यादा क्या चाहिए ?

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

हमारा दिल सवेरे का
सुनहरा जाम हो जाए
चरागों की तरह आँखें जलें
जब शाम हो जाए
मैं ख़ुद भी एहतियातन उस
गली से कम गुज़रता हूँ
कोई मासूम क्यों मेरे लिए
बदनाम हो जाए
अजब हालात थे यूँ दिल का
सौदा हो गया आखिर
मोहब्बत की हवेली जिस
तरह नीलाम हो जाए
समन्दर के सफ़र में इस
तरह आवाज़ दो हमको
हवाएँ तेज़ हों और
कश्तियों में शाम हो जाए
मुझे मालूम है उसका
ठिकाना फिर कहाँ होगा
परिंदा आसमाँ छूने में जब
नाकाम हो जाए
उजाले अपनी यादों के
हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में
ज़िंदगी की शाम हो जाए।

– बशीर बद्र

उत्तर से दक्षिण तक सड़क पर मौत का तांडव, 10 दिनों में 60 से ज्यादा मौतें

जयपुर में शराबी डंपर ड्राइवर ने सड़क पर बिछा दी 13 लाशें

तेलंगाना के रंगारेड्डी में बस-डंपर की टक्कर, 19 की मौत, 20 घायल

जयपुर/तेलंगाना/नईदिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से देश के कई हिस्सों से दर्दनाक सड़क हादसे की खबरें सामने आई हैं, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं में किसी के पिता की मौत हुई तो किसी की मां का साथ बच्चे से छूट गया। इतना ही नहीं, कुछ घटना में तो पूरा का पूरा परिवार ही खत्म हो गया।

भारत में सड़क हादसों के पीछे कई तरह के कारण सामने आते हैं। कई बार ओवर स्पीडिंग या ओवरटेक मुख्य वजह होती है, तो कई बार गाड़ी के चालक नशे में पाए जाते हैं। किसी एक की गलती का खामियाजा न सिर्फ एक या दो परिवारों को उठाना पड़ता है, बल्कि कई बच्चों का भविष्य अंधेरे में चला जाता है तो कई बुजुर्ग मां-बाप भी बेसहारा हो जाते हैं।

जयपुर में 13 की मौत- जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने एक के बाद एक 17 गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कई के शरीर टुकड़ों में बंट गए। किसी का पैर कट गया तो किसी का हाथ। हादसे में 10 घायल हो गए 6 गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

पीएम ने मृतकों को 2-2 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस-डंपर दुर्घटना पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुई दुर्घटना में जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

तेलंगाना में भीषण हादसा 19 की मौत

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह हैदराबाद-बीजापुर हाईवे पर गिट्टी से लदे डंपर ने तेलंगाना रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस को टक्कर मार दी। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 महीने का बच्चा, 10 महिलाएं और दोनों वाहनों के ड्राइवर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 20 लोग घायल हैं।

आंध्र प्रदेश में बस में आग से 20 की मौत

कुछ दिनों पहले देश में दीवाली के त्योहार का जश्न मनाया गया और लोग अपने-अपने घरों में त्योहार मनाने के बाद वापस अपने काम पर लौटने लगे थे। तभी आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले से सड़क हादसे की एक ऐसी खबर सामने आई, जिसे सुनकर लोगों की रुह कांप गई। कुरनूल में बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस की जांच में पता चला कि बस के नीचे एक मोटरसाइकिल फंस जाने से चिंगारी उठी और वही आग की वजह बनी। बस में 43 लोग सवार थे और बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। हादसे में 19 यात्री और बाइक सवार की मौत हो गई थी। फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक बस की बैटरी, ज्वलनशील सीटें और मोबाइल फोन ने आग को और भड़का दिया था।

सबके लिए रोशनी-सबके लिए प्रगति सरकार का ध्येय : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाधान योजना से प्रदेश के 90 लाख से अधिक नागरिकों को लाभ होगा। यह योजना उन उपभोक्ताओं के लिए राहत का द्वार खोल रही है, जो किसी कारणवश समय पर अपने बिजली बिल नहीं भर पाए। इस योजना में तीन माह या उससे अधिक समय से बिल बकाया रखने वाले घरेलू, गैर घरेलू,कृषि तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट प्रदान की जाएगी। योजना से बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। इस कदम से जनता का भरोसा और शासन की पारदर्शिता एक साथ बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर समाधान योजना की शुरूआत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पॉवर मैनेजमेंट कंपनी का नया भवन, कंपनियों के प्रबंधन और कार्य क्षमता में वृद्धि में सहायक होगा। नए भवन से ऊर्जा प्रबंधन और जन सामान्य से बेहतर समन्वय में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान योजना के शुभारंभ और एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की ऑल राउंडर महिला क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति गौड़ को एक करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'समाधान योजना- 2025-26' से प्रदेश के 90 लाख उपभोक्ताओं का 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक बिजली बिल पर सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना में 3 माह तक का सरचार्ज रखने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज छूट का लाभ मिलेगा। ऊर्जा विभाग के सोमवार को लोकार्पित भव्य भवन से विभाग में कार्यरत तीनों कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह नया भवन ऊर्जा प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जनसेवा का केन्द्र बनेगा। किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पित है। आशा है विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों से सतत् संवाद और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण से अपनी संवेदनशीलता का परिचय देंगे।

वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय स्त्रोतों से पूर्ण करने का है हमारा लक्ष्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 'सबके लिए रोशनी-सबके लिए प्रगति' का ध्येय लेकर प्रदेश में गतिविधियां संचालित कर रही है। खेत हो या कारखाने, शहर हो या गांव हर घर में रोशनी इसका प्रमाण है। ऊर्जा विभाग से वर्ष 2024-25 में लगभग 35 लाख से अधिक किसानों को 18 हजार करोड़ रूपए से अधिक की बिजली सब्सिडी दी गई। राज्य सरकार ने विभिन्न नीतिगत निर्णयों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत् विकास को प्राथमिकता दी। इंडस्ट्रियल प्रमोशन पॉलिसी, रिन्यूबल एनर्जी पॉलिसी 2025 और पंप हाइड्रो पॉलिसी-2025 के अंतर्गत औद्योगिक निवेश के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए गए हैं। राज्य में 62 गीगावाट सौर, 11 गीगावाट पवन, 4 गीगावाट बॉयोमास और 820 मेगावाट लघु जल विद्युत की क्षमता है। हमारा लक्ष्य 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय स्त्रोतों से पूर्ण करने का है। मुरैना में विकसित हो रही प्रदेश की पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना में 2.70 रूपये प्रति यूनिट बिजली अब तक की सबसे कम टैरिफ दर पर प्राप्त हुई है। यह अपने-आप में रिकार्ड है।

कटिहार में पीएम बोले- इनके पोस्टर से पुराने नेता गायब, पिता का नाम लेने में शर्म आती है

'कांग्रेस ने छठ का अपमान किया, ताकि आरजेडी हारे'

कटिहार, सहरसा (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार (3 नवंबर) को कटिहार में सभा की। उन्होंने कहा, आप आरजेडी-कांग्रेस के पोस्टर देखिए। इनकी पार्टी के पुराने नेताओं की तस्वीरें पोस्टर से गायब है।

अपने पिता का नाम बोलने में इन्हें शर्म आ रही है। वो कौन सा पाप है जिसे आरजेडी वालों को बिहार के नौजवानों से छिपाना पड़ रहा है। इन लोगों के पोस्टर से कांग्रेस लगभग गायब है।

कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व को इसलिए भी ड्रामा बताया ताकी बिहार के लोग राजद पर गुस्सा निकालें और राजद को पराजित करें। कांग्रेस के बड़े नेताओं के बयान आपने सुनें होंगे। अलग-अलग राज्यों में कांग्रेस के नेताओं से बिहार के लोगों के लिए अपमानजनक बातें बुलाई जा रही हैं। कांग्रेस जानती है कि इस बार भी राजद हार गई तो उसकी राजनीति खत्म हो जाएगी और कांग्रेस राजद के वोट बैंक पर कब्ज़ा कर लेगी।

'विमेन इन ब्लू' ने विश्व पटल पर इतिहास रचा, देशवासी हुए गौरवान्वित

300 रन बनाने की आदत, मेंस टीम के बराबर सैलरी, डब्ल्यूपीएल ने अटैकिंग अप्रोच दी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास की सबसे अद्भुत रात थी। जिस घड़ी के लिए देश की हर बेटी ने सपना देखा, जिस विश्व कप के खिताब को छूने की ख्वाहिश सालों से दिल में पल रही थी... वो सपना, वो पल हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में सच हो गया। लंबी निराशाओं, टूटे हुए ख्वाबों और कड़े संघर्षों के बाद भारत की 'विमेन इन ब्लू' ने आखिरकार विश्व पटल पर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिख दिया है। क्रिकेट एक टीम का खेल है। मैदान पर 11 शूरवीर अपना खून-पसीना एक करते हैं। लेकिन जब विजय का शंखनाद होता है, तो सबसे पहले उस महान योद्धा का नाम गूंजता है, जिसने सेना का नेतृत्व किया। जब-जब भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास का जिक्र होगा, 1983 की विजयगाथा में कपिल देव का नाम सबसे पहले लिया जाएगा। ठीक वैसे ही, जब महिला क्रिकेट की बात होगी तो हर भारतीय की जुबान पर एक ही नाम होगा- हरमनप्रीत कौर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल जीतकर इतिहास रच दिया है। भारत की बेटियों ने 47 साल के इंतजार को खत्म करते हुए देश का सपना पूरा किया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में गर्व और खुशी का माहौल है, देशभर में देर रात मने जश्न-ए-आतिशबाजी के रूप में देखा गया। बेटियों के पराक्रम से देशवासी गौरवान्वित हुए हैं।

2017 में हुई बदलाव की शुरुआत

8 सालों में भारतीय विमेंस क्रिकेट में कप्तानी को छोड़कर बहुत कुछ बदल गया है। टीम पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट है और किसी भी टारगेट के सामने घबराती नहीं है। जीत के लिए अब हरमन और स्मृति मंधाना पर निर्भरता कम हुई है। जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, अमनजोत कौर जैसी कई विनर्स तैयार हो गई हैं।

आज दिल्ली में पीएम मोदी से मिलेंगी विश्व विजेता खिलाड़ी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली आएगी। यह टीम फिलहाल मुंबई में है और बुधवार (04 नवंबर) को प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने टीम की इस शानदार जीत पर टीम को बधाई दी थी। उन्होंने खिलाड़ियों के जज्बे और एकता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन बेहतरीन कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य के चैंपियंस को खेल अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 04 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

ट्रम्प बोले- पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहा

रूस, चीन और कोरिया में भी टेस्टिंग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहा है। उन्होंने यह बयान रविवार को सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में दिया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की जरूरत है।

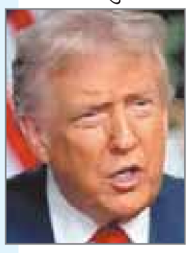

उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के पास इतने परमाणु हथियार हैं कि दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है, लेकिन रूस और चीन की गतिविधियों के चलते टेस्ट करना जरूरी है। जब ट्रम्प से पूछा गया कि नॉर्थ कोरिया के अलावा कोई भी परमाणु टेस्ट नहीं कर रहा तो आप क्यों कर रहे हैं? इस पर ट्रम्प ने कहा कि रूस,पाकिस्तान और चीन भी गुप्त परीक्षण कर रहे हैं, बस दुनिया को पता नहीं चलता। ट्रम्प पहले ही रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) को परमाणु हथियारों की तुरंत टेस्टिंग शुरू करने का आदेश दे चुके हैं।

भारत-पाक में परमाणु संघर्ष रोका

ट्रम्प ने फिर से दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई थी। ट्रम्प ने कहा, भारत और पाकिस्तान परमाणु युद्ध की कगार पर थे।

अनिल अंबानी की 3000 करोड़ की 40 प्रॉपर्टीज जब्त

- पाली हिल वाला घर भी शामिल, इसमें हेलीपैड से लेकर जिम और लाउंज

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को अटैच कर दिया है। प्रॉपर्टीज में अनिल अंबानी का पाली हिल वाला घर भी है। अटैच की गई प्रॉपर्टीज की कुल वैल्यू 3,084 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये एक्शन मनी लॉन्ड्रिंग केस में लिया गया है, जिसमें यस बैंक से लिए लोन का फंड डायवर्जन का मामला शामिल है।

जोधपुर में एक साथ जली 12 चिता, चीख-पुकार मची

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर 15 मौतों के बाद एक्शन, हाईवे किनारे से अवैध ढाबों को हटाया

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के फलोदी में रविवार शाम करीब 6.30 बजे भीषण सड़क हादसे में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 2 महिलाएं घायल हैं। मरने वालों में एक ही

परिवार के 7 लोग शामिल हैं। सभी श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले थे। मोक्ष धाम में एक साथ 12 चिता जली तो चीख पुकार मच गई। बड़ी संख्या में लोग मृतकों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी मोक्ष धाम पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना भी दी।

सेवा ही हमारा संकल्प, जनसुविधा बढ़ाने कोई कसर नहीं रखेंगे : मुख्यमंत्री

सीएम डॉ. यादव ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को संबोधित

ईंटखेड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को ईंटखेड़ी में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की सुविधा बढ़ाने में हम कोई कमी नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीते दो वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार हुआ है और सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराई जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज मध्य प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। राज्य में लगातार आर्थिक गतिविधियां जारी हैं, नए-नए उद्योग और विकास की संभावनाओं पर बल दिया जा रहा है। साथ ही किसानों हितैषी नीतियों के अंतर्गत किसान सम्मान निधि, सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा और लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए राशि पहुंचा जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर बहनें रेडीमेड गारमेंट जैसे रोजगार परक उद्योगों में कार्य करेंगी तो उन्हें सरकार की ओर से प्रतिमाह वेतन के साथ 5000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बैरसिया विधायक श्री विष्णु खत्री को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। विधायक श्री खत्री की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईंटखेड़ी में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि चाहे कितना भी बड़ा रोग हो या कोई जटिल ऑपरेशन, हमारी सरकार हर ज़रूरतमंद को उपचार के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनसेवा हमारा मूल लक्ष्य है, और हम इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा निरंतर प्रयासों से स्वास्थ्य विभाग में निरंतर नई भर्ती की जा रही है और अस्पतालों की सुविधाओं का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा भोपाल के प्रभारी मंत्री श्री चेतन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामकुंवर नौरंगसिंह गुर्जर, उपाध्यक्ष श्री मोहन जाट, श्री तीरथ सिंह मीणा, श्री गोपाल सिंह मीणा, श्री पर्वत सिंह पटेल, सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

बताया गया कि इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में दोपहर तक 1500 से अधिक लोगों ने अपनी जांच और इलाज कराया। शिविर से लाभ पाकर क्षेत्र के लोगों ने भारी उत्साह और प्रसन्नता व्यक्त की।

आज आकाशवाणी से डॉ जफर की समीक्षा का प्रसारण

उज्जैन। आकाशवाणी इंदौर प्रतिदिन 67 वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा का प्रसारण कर रहा है। यह प्रसारण आकाशवाणी के इंदौर केंद्र से रात्रि 9-15 से 9-30 तक किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए आकाशवाणी इंदौर के उदित तिवारी ने बताया कि आज कालिदास समारोह के दूसरे दिवस में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा का प्रसारण होगा।कला समीक्षक डॉ जफर महमूद कालिदास समारोह के दूसरे दिवस आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा प्रस्तुत करेंगे।

अखिल भारतीय कालिदास समारोह, दूसरी सांस्कृतिक संध्या

शास्त्रीय गायन की स्वर लहरियों से महका कालिदास का आंगन

(डॉ जफर महमूद)

भोपाल। 67 वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह की दूसरी सांस्कृतिक संध्या शास्त्रीय गायन के नाम रही। उभरते हुए प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायक महेश काले में अपनी स्वर लहरियों से कालिदास के आंगन को महका दिया। सुधी श्रोता उनकी स्वर लहरियों में डूब से गये। राष्टीय फिल्म पुरस्कार से अलंकृत महेश काले ने शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, नाका संगीत और भक्ति संगीत के विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान विश्व भर में बनाई है। देश विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के मंचों पर श्रोताओं से दाद हासिल की है। उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य भारतीय संगीत को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए समर्पित कर रखा है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय शास्त्रीय संगीत और कला फाउंडेशन की स्थापना कर हजारों शिष्यों को वे भारतीय शास्त्रीय संगीत की तालीम दे रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक और मल्टीमीडिया इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की उपाधियां अर्जित कर उन्होंने अपना जीवन भारतीय संगीत को समर्पित किया है। कालिदास अकादमी के मंच से अपने गायन की शुरुआत राग कल्याण से की। विलंबित और दुरत एवं मध्य लय में उन्होंने अपने गायन को चरम पर पहुंचाया। अभंग गाने के बाद उन्होंने अपने गायन का समाहार राग भैरवी में शिव भजन से किया। महेश काले के सधे हुए गायन में संगतकार होने चार चांद लगाए। तबले पर पांडुरंग पवार, पखावज पर ओमकार दल्वी, हारमोनियम पर राजीव तांबे, प्रर्कशन अभिषेक भुरुक, साउंड मंदार वाडकर, एवं लाइट पर सुजय ने सुसंगत साथ निभाया। सांस्कृतिक संध्या की दूसरी शाम यादगार बन गई।कालिदास समारोह की प्रातः कालीन संगीत सभा में सुश्री आरती जादौन ने भक्ति संगीत से समां बांधा। उन्होंने अपने गायन से आध्यात्मिक साधना को प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने भजन कीर्तन गायन से ईश्वर के प्रति प्रेम कृतज्ञता और समर्पण की भावना को प्रस्तुत किया। उनके गायन को सुनने वालों में संस्कृत के मनीषी और विद्वान शामिल थे। सभी ने उनके गायन की तारीफ की।

पीएम मोदी बोले- भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के बने भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान देश में

- 1 लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की, कहा- हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएण्डडी) इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम फंड लॉन्च किया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रकचर भारत के पास है ईएसटीआईसी 2025 कॉन्क्लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं। जब विज्ञान का पैमाना मिलता है, जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है।

- इन्हें न सच दिखाई देता है, न सुनाई; ये खानदानी लुटेरे

सीएम योगी बोले- पप्पू, टप्पू और अप्पू महागठबंधन के 3 बंदर

पटना (एजेंसी)। बिहार में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- आपने महात्मा गांधी के तीन बंदरों के बारे में सुना होगा। गांधी जी के बंदरों ने हमें सिखाया था- बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो। लेकिन आज, इंडी गठबंधन में तीन और बंदरों आ गए हैं- 'पप्पू, टप्पू और अप्पू'।

उन्होंने कहा- 'पप्पू' न तो सच बोल सकता है और न ही कुछ अच्छा कह सकता है। 'टप्पू' कुछ अच्छा नहीं देख सकता और 'अप्पू' सच नहीं सुन सकता। ये लोग एनडीए सरकार के विकास कार्यों को नहीं देख सकते। वे अपने आसपास हो रहे काम को सुन नहीं सकते। इसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए वे झूठ और गलत सूचना फैलाते हैं।

उन्होंने एक बार फिर याद दिलाया- बंटेंगे तो कटेंगे। उन्होंने कहा- बंटेंगे नहीं और कटेंगे भी नहीं। एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। बिहार को समृद्ध बनाएंगे। ये बातें योगी ने सोमवार को बिहार चुनाव के प्रचार के लिए दरभंगा के केवटी में एनडीए प्रत्याशी मुरारी मोहन झा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते वक्त कहीं। इसके अलावा योगी ने मुजफ्फरपुर और सारण में भी रैली की। यहां उन्होंने सपा-कांग्रेस को नाम लिए बिना खानदानी लुटेरा करार दिया।

आरजेडी की सरकार बनी तो अपहरण-लूट-खून मंत्रालय बनेंगे : अमित शाह

आपको सिंचाई-शिक्षा का विभाग चाहिए या फिरौती का; जंगलराज वालों को वापस मत आने दो

सीतामढ़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मधुबनी के खुटौना में जनसभा कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत मैथिली भाषा से की। इस दौरान उन्होंने लालू यादव और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

शाह ने कहा, लालू-राबड़ी ने बिहार में अपहरण, डकैती, फिरौती, लूट और हत्या के उद्योग लगाने का काम किया। जबकि नीतीश जी और मोदी जी की जोड़ी ने बिहार में विकास करने का काम किया।

आपको सिंचाई-शिक्षा का विभाग चाहिए या फिरौती का।

आरजेडीकी सरकार बनी तो अपहरण-लूट-खून मंत्रालय बनेंगे। जंगलराज वालों को वापस मत आने दो। हमें बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है।

समस्तीपुर में रोड शो किया प्रियंका गांधी ने

सरकार में नीतीश की नहीं सुनी जा रही

सहरसा (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी लखीसराय में सभा को संबोधित कर रही हैं। इससे पहले उन्होंने समस्तीपुर में प्रियंका गांधी ने 2 किमी तक रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व डीजीपी ब्रजकिशोर रवि के पक्ष में वोट की अपील की। प्रियंका गांधी के साथ पूर्णिया के सांसद भी रोड में मौजूद रहे। इससे पहले सहरसा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी महागठबंधन के पक्ष में सभा की। इस दौरान उन्होंने कहा, हाल में इन लोगों ने एसआईआर करवाकर 65 लाख वोट काट दिए।

बीरेन सिंह के ऑडियो क्लिप से छेड़छाड़ हुई : सुप्रीम कोर्ट

- रिकॉर्डिंग साइंटिफिक टेस्ट के लायक नहीं; मणिपुर के पूर्व सीएम पर हिंसा भड़काने का आरोप

नई दिल्ली/इम्फाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट को बताया कि मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से जुड़े ऑडियो क्लिप से छेड़छाड़ की गई है। दावा किया गया था कि इस ऑडियो क्लिप में पूर्व सीएम ने मैतेई समुदाय को हिंसा भड़काने की इजाजत देने की बात कबूली थी। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी की एक गोपनीय रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ऑडियो क्लिप की एडिटिंग की गई थी। वह आवाज की तुलना के लिए साइंटिफिक रूप से फिट नहीं थी।

भोपाल के चार लेखकों का भीलवाड़ा में सम्मान

भोपाल। भोपाल के चार रचनाकार भीलवाड़ा में सम्मानित किए गए। रविवार को भीलवाड़ा संगम विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय सभागार में साहित्यांचल के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्य शिखर सम्मान समारोह 2025 का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। संस्था का यह त्रयोदश आयोजन था।संगम विश्वविद्यालय और साहित्यांचल के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यांचल के मुख्य संरक्षक एवं संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसन्न कुमार खमेसरा, प्रो. करूणेश सक्सेना (कुलपति, संगम विश्वविद्यालय), अमरलाल विश्नोई (पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी), बसंत सिंह सोलंकी (साहित्य अकादमी), राजेंद्र गोखरू उपस्थित थे। कार्यक्रम में साहित्यांचल की अध्यक्ष प्रो. सविता टांक, संपादक सत्यनारायण व्यास 'मधुप', कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा , सचिव रविकांत व्यास सहित कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आरंभ में अभिलाषा जोशी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का वातावरण भावनापूर्ण बना दिया।

देशभर से आए वरिष्ठ साहित्यकारों को रचनाधर्मिता के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में फिरोजाबाद के रामसनेहीलाल यायावर को बद्रीलाल सोनी स्मृति सम्मान, भोपाल के डॉ. कमलकिशोर दुबे को सत्यनारायण मोदानी स्मृति सम्मान, जयपुर की डॉ. कंचना सक्सेना तथा मेरठ की प्रो. सरोजनी तन्हा को श्रीमती केसरबाई सोनी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

इसके साथ ही भोपाल के श्री आसूदो लछवानी को मोतीशंकर चाण्डक स्मृति सम्मान, प्रतापगढ़ (उ.प्र.) के डॉ. दयाराम मौर्य को भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति सम्मान, हरियाणा के डॉ. सत्यवान सौरभ को स्वरूप सिंह खमेसरा स्मृति सम्मान तथा श्रीमती प्रियंका सौरभ को सुशीलादेवी खमेसरा स्मृति सम्मान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में श्रीनाथद्वारा के श्री प्रमोद सनाढ्य को मोडूराम मीणा स्मृति सम्मान, भोपाल के कहानी और व्यंग्य लेखक एवं जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक संजय जैन को व्यंग्य-कहानी सृजन सम्मान के लिए चयनित किया गया।

कार्यक्रम में मेरठ की सुधा शर्मा को सरोजनी शर्मा स्मृति सम्मान, जयपुर की डॉ. अंजू सक्सेना को नर्मदादेवी सिसोदिया स्मृति सम्मान, पटना की रजनी प्रभा को सोहनीदेवी गिलडा स्मृति सम्मान, श्रीनाथद्वारा के नगेन्द्र कुमार मेहता को रघुनाथ नरेन्द्रनाथ तिवाड़ी स्मृति सम्मान, ग्वालियर के कमलेश कटारिया कमल को रूकमणी देवी व्यास स्मृति सम्मान, भोपाल के अशोक व्यास को जमनालाल व्यास स्मृति सम्मान तथा गुना के डॉ. सतीशचन्द्र चतुर्वेदी शाकुन्तल को मांगीलाल विश्नोई स्मृति सम्मान से अलंकृत किया गया।

कार्यक्रम में कुछ पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। इनमें डॉ. सुधा शर्मा की धुंधला उजाला, डॉ. कमलकिशोर दुबे की मन उपवन सुरभित हो जाए, प्रो. सरोजनी तन्हा की बिन मांगे मोती तथा डॉ. अंजू सक्सेना की वर्णों की फुलवारी शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सीएक्यूएम से कहा- समस्या आने से पहले उठाएं कदम; मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से विस्तृत हलफनामा मांगा है। अदालत ने कहा कि एजेंसियां सिर्फ प्रदूषण बढ़ने पर नहीं, बल्कि पहले से कदम उठाएं।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से हलफनामा मांगा है। अदालत ने आयोग से पूछा कि अब तक प्रदूषण रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि अधिकारी सिर्फ स्थिति बिगड़ने पर कदम न उठाएं, बल्कि पहले से ही तैयारी करें ताकि हालात गंभीर न हों।

राज्यपाल से मुख्यमंत्री ने राजभवन में सौजन्य भेंट की

भेंट किया प्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से भेंट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनदंन किया। राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश सरकार का विजन डॉक्यूमेंट समृद्ध मध्यप्रदेश @ 2047 की प्रति भेंट की। साथ ही प्रदेश के विकास संबंधी विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

मंत्रालय में हुआ सामूहिक गायन

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री काश्यप हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। नवम्बर माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय परिसर के सरदार वल्लभ भाई पटेल उद्यान में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम्' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन

हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। सामूहिक गायन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री मनु श्रीवास्तव, श्री संजय कुमार शुक्ला, अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह, सचिव श्री निशांत वरवड़े सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भोपाल की महिला से जबलपुर में रेप

- सोशल मीडिया फ्रेंड साथ ले गया था, शादी का झांसा देकर की वारदात

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा में रहने वाली महिला के साथ उसके सोशल मीडिया फ्रेंड ने रेप कर दिया। आरोपी पीड़िता से पिछले दिनों मिलने आया था, शादी का झांसा देने के बाद वह पीड़िता को जबलपुर ले गया। वहां उसके साथ रेप किया और शादी से इनकार कर दिया। तब पीड़िता भोपाल लौटी और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस आरोपी युवक की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। -

दो बच्चों के साथ लापता हो गई थी महिला – थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक 29 वर्षीय महिला चेतक ब्रिज के पास रहती थी। करीब चार दिन पहले वह अपने बच्चों को लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। जहां से वह भोपाल पहुंची और पुलिस को बताया कि उसकी दीपक मालवीय नामक एक युवक से इंस्टाग्राम से दोस्ती हुई थी। इसके बाद युवक को उसे अपने साथ जबलपुर ले गया।

बच्चों को साथ रखने को लेकर हुआ विवाद –जबलपुर में आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर पीड़िता के साथ रेप किया। बाद में उसने न केवल बच्चों बल्कि महिला को भी अपने साथ रखने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर केस दर्ज कर लिया। अब पुलिस आरोपी युवक को पकड़ने के लिए जबलपुर जाने की तैयारी कर रही है।

दोस्त का इंतजार कर रहे युवक से लूट

- स्कूटी सवार बदमाश मोबाइल लेकर भागे पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

भोपाल (नप्र)। बागसेवनिया इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर खड़े युवक के साथ मोबाइल लूट की वारदात सामने आई है। वारदात के समय फरियादी अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। लूट करने वाले दोनों युवक स्कूटी पर सवार थे। पुलिस हुलिया के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। एएसआई मनोज शर्मा के मुताबिक मयूर विहार कॉलोनी निवासी अजहर खान पुत्र रमजान खान (26) प्राइवेट काम करता है। सोमवार की सुबह अजहर खान अपने दोस्त बॉबी खान के साथ हबीबगंज अंडर ब्रिज पुलिया के पास खड़े होकर आर्यन का इंतजार कर रहे थे। तभी स्कूटी पर सवार तीन बदमाश आए और बॉबी खान के हाथ से उसका मोबाइल फोन झपटकर ले गए। जब दोनों दोस्त कुछ समझ पाते बदमाश मौके से फरार हो चुके थे।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस – वारदात के बाद युवक थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के दावे किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले

दो-पांच रुपए क्लेम मिलना किसानों के साथ मजाक है

- किसानों की शिकायत पर दिल्ली में फसल बीमा कंपनियों की क्लास लगाई, जांच के आदेश

भोपाल (नप्र)। पिछले हफ्ते में हुई बारिश के कारण एमपी के कई जिलों में फसलें बर्बाद हो गई हैं। इससे परेशान किसान सरकार से मुआवजा देने और बीमा कंपनियों से क्लेम दिलाने की मांग कर रहे हैं। सीहोर सहित कई जिलों के किसानों की शिकायतों पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली पहुंचते ही बीमा कंपनियों की हाई लेवल मीटिंग बुलाकर क्लास लगाई है।

यह किसानों के साथ मजाक – केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित किसानों की परेशानियां दूर करने और क्लेम के बारे में उनकी शिकायतों के समाधान के लिए आज दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक ली। शिवराज सिंह ने बैठक में महाराष्ट्र के कुछ किसानों को भी वर्चुअल जोड़कर गहराई से सीधे उनकी बात सुनी और अधिकारियों से इसके बारे में जवाब मांगा।

जांच के आदेश दिए – शिवराज सिंह ने कहा 1 रु., 3 रु., 5 रु. या 21 रुपए का फसल बीमा क्लेम मिलना किसानों के साथ मजाक है, सरकार ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने इस संबंध में पूरी जांच के आदेश दिए, साथ ही किसानों के हित में बीमा कंपनियों एवं अफसरों को सख्त निर्देश दिए और कहा कि किसानों को क्लेम जल्दी और एक साथ मिलना चाहिए तथा क्षति का आंकलन सटीक प्रणाली से होना चाहिए, इसके लिए शिवराज सिंह ने योजना के प्रावधानों में आवश्यक होने पर बदलाव कर विसंगतियां दूर करने के निर्देश भी अफसरों को दिए।

सीहोर में किसानों की शिकायतों पर थे गंभीर – केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने संसदीय क्षेत्र के प्रवास के दौरान सीहोर जिले के किसानों से मिली शिकायतों को लेकर काफी गंभीर थे। महाराष्ट्र के किसानों को नाममात्र की क्लेम राशि मिलने की बातों को लेकर भी चिंतित थे। वे सोमवार सुबह विमान से दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे कृषि भवन स्थित मंत्रालय पहुंचे और सबसे पहले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े सारे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही सभी बीमा कंपनियों के उच्चाधिकारियों को भी उन्होंने फौरन तलब किया।

पीएम फसल बीमा योजना की बदनामी हुई – शिवराज सिंह ने इन सबकी बैठक लेकर कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना देश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, उनकी फसलों के प्राकृतिक आपदा से नुकसान होने की स्थिति में सुरक्षा कवच के रूप में वरदान की तरह हैं, लेकिन साथ ही कुछ चीजें ऐसी हुई हैं कि

जिससे इस महत्वपूर्ण योजना की बदनामी हुई है और मजाक भी उड़ता है तथा प्रोपेगंडा करने का मौका मिलता है।

एक रुपया क्लेम का उदाहरण दिया –शिवराज सिंह ने सीहोर जिले के कुछ किसानों के नाम सहित बैठक में मौजूद अधिकारियों को उदाहरण देते हुए कहा कि इन किसानों को फसल बीमा कराने के बावजूद नुकसान होने पर जीरो लास दिखाया गया, वहीं क्लेम मिला 1 रुपए, एक अन्य किसान का नुकसान दिखाया गया 0.004806 प्रतिशत, केंद्रीय मंत्री ने किसानों की ओर से सवाल उठाया कि ये कौन-सा तरीका है क्षति मांपने का। और, क्लेम पेमेंट भी 1 रुपए मिला।

सीहोर कलेक्टर को भी मीटिंग में जोड़ा – शिवराज ने बैठक में कहा- एक और किसान का भी नुकसान ठीक इसी तरह का बताया गया और क्लेम भी 1 रु. का मिला, अन्य किसानों की भी इसी तरह की समस्या शिवराज सिंह ने अफसरों के सामने रखते हुए पूछा कि क्या ये किसानों के साथ अन्याय नहीं है, क्या जस्टिफिकेशन हैं इसका, क्या ये मजाक नहीं है, क्या तरीका है ये...। शिवराज ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसी बातों पर मैं गहराई में जाऊंगा। फसल बीमा योजना कोई मजाक नहीं है। ये मजाक मैं नहीं चलने दूंगा। उन्होंने सीहोर कलेक्टर को भी बैठक से वर्चुअल जोड़ने का निर्देश देकर उनसे पूरी जानकारी ली और दिल्ली के अफसरों व कंपनी प्रतिनिधियों से सवाल किए।

महाराष्ट्र के अफसर वर्चुअल जुड़े – केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के निर्देश पर इस बैठक में महाराष्ट्र के कृषि आयुक्त तथा राज्य के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी वर्चुअल जोड़ा गया, साथ ही अकोला जिले के शिकायतकर्ता कुछ किसानों को भी ऑनलाइन जोड़कर उनसे पूरी जानकारी ली गई, जिनकी शिकायत थी कि 5 रु., 21 रु. मिले हैं, शिवराज सिंह ने पूरी बारीकी से पूछताछ करते हुए सवाल किया कि हमारे किसानों को इस तरह से इतना कम क्लेम पेमेंट कैसे और क्यों हुआ है। अलग-अलग खसरों तथा अलग-अलग फसलों का बीमा करवाने के लिए किसानों द्वारा अलग-अलग आवेदन दिए जाने तथा प्रारंभिक रूप से पहले ही क्लेम राशि मिल जाने व सर्वे के बाद बाकी क्लेम राशि एडजस्ट करने के लिए इतनी कम राशि जमा होने संबंधी अफसरों द्वारा दिए जवाब पर केंद्रीय मंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि ये विसंगति है, जिसे दूर किया जाएं, इससे क्लेम पेमेंट मिलने के समय किसानों में भ्रम होता है, सरकार की बेवजह ही बदनामी होती है और मजाक बन जाता है।

फसल बीमा योजना के सीईओ करेंगे जांच – केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से मिली शिकायतों पर इस तरह के सभी मामलों की फील्ड में जाकर पूरी जांच करने का आदेश प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सीईओ को दिया और कहा कि ये पड़ताल की जाएं कि 1 रु., 2 रु., 5 रु. क्लेम पेमेंट क्यों मिला है, वहीं बीमित किसानों के साथ ही स्थानीय कलेक्टर से भी बात की जाएं, ताकि वास्तविकता सामने आएं।

इसके अलावा, क्षति के आकलन का रिमोट सेंसिग का जो आधार है, उसमें प्रामाणिकता कितनी है, यह वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाएं तथा गाइड लाइन में भी बहुत कम राशि के लिए बीमा होने जैसे प्रावधान का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार इसे रिवाइज करें। उन्होंने कहा कि किसानों को क्लेम मिलने में देर नहीं लगना चाहिए, साथ ही शिवराज सिंह ने बीमा कंपनियों को भी निर्देश दिया कि नुकसान के सर्वे के समय उनका प्रतिनिधि भी जरूर उपस्थित रहना चाहिए, ताकि कोई गड़बड़ी नहीं होने पाएं व किसान को वास्तविक क्लेम मिल सकें।

घबराहट, सिरदर्द, झुनझुनी या थकान न करें नजरअंदाज

रोजाना 50 मरीज विटामिन बी12 की कमी से पहुंच रहे अस्पताल, नर्वस सिस्टम के लिए खतरनाक

भोपाल (नप्र)। थकान, हाथ-पैरों में झुनझुनी, दिल की धड़कन बढ़ना या बार-बार सिर दर्द होना, ये सब महज़ स्ट्रेस या कमजोरी के लक्षण नहीं हैं। दरअसल, शहर के सरकारी अस्पतालों में रोज़ाना करीब 50 मरीज ऐसे आ रहे हैं जो इन लक्षणों के साथ पहुंचते हैं, और जांच में पता चलता है कि उनमें विटामिन बी12 की गंभीर कमी है। एम्स, हमीदिया और पीपुल्स मेडिकल कॉलेज जैसे अस्पतालों में बीते कुछ महीनों से ऐसे मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।डॉक्टरों के अनुसार, अनियमित खानपान, फास्ट फूड की आदत और मिलावटी डेयरी प्रोडक्ट्स की वजह से अब यह कमी आम होती जा रही है। अगर समय रहते इलाज न किया जाए तो यह कमी तंत्रिका तंत्र को नुकसान, याददाश्त में कमी, यहां तक कि अस्थायी लकवे जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। सामान्य स्थिति में विटामिन बी12 का स्तर 197 से 700 पिकोग्राम/मिलीलीटर के बीच होना चाहिए। लेकिन अधिकांश मरीजों का स्तर 100 से नीचे पाया जा रहा है।

घबराहट को समझा दिल की बीमारी – 52 वर्षीय प्रेम श्रीवास्तव को लगातार घबराहट और धड़कन बढ़ने की शिकायत थी। डॉक्टर ने गैस की दवा दी, पर हालत नहीं सुधरी। एम्स भोपाल में जांच के बाद पता चला कि उनका बी12 लेवल मात्र 105 है। विटामिन इंजेक्शन और आहार सुधार के बाद अब वे ठीक हैं।

23 वर्षीय खुशबू का बी12 लेवल 57 – गौतम नगर निवासी खुशबू को हाथ-पैरों में झुनझुनी, थकान और सांस लेने में तकलीफ रहती थी। जांच में पता चला कि उनका बी 12 लेवल 57 था, जो बेहद कम है। उन्हें इंजेक्शन दिए गए और अब उनका लेवल सामान्य की ओर है।

विटामिन बी12 की भूमिका और खतरा

- हाथ-पैरों में झुनझुनी
- थकान और कमजोरी
- सिर दर्द और चक्कर
- मांसपेशियों में जकड़न
- आंखों की रोशनी प्रभावित होना
- चलने-फिरने में परेशानी
- कब्ज या भूख न लगना जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर, मेमोरी लॉस और डिप्रेशन जैसी गंभीर दिक्कतें विकसित हो सकती हैं। जो लोग दवाओं (जैसे एंटासिड या मेटफॉर्मिन) का लंबे समय से सेवन कर रहे हैं, उनमें यह कमी और ज्यादा होती है।

गर्भवती महिलाओं में बी12 की कमी बच्चे के मस्तिष्क विकास को प्रभावित कर सकती है।

क्यों बढ़ रही है विटामिन बी12 की कमी

आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नितिन उज्जलिया बताते हैं कि विटामिन बी12 लगभग सभी खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, लेकिन यह पानी में घुलनशील होता है, इसलिए खाना ज़्यादा पकाने या उबालने से यह नष्ट हो जाता है। शाकाहारी लोगों में यह कमी ज्यादा देखने को मिलती है क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से एनिमल प्रोडक्ट्स (दूध, अंडा, मछली, मांस) में प्रचुर मात्रा में होता है।

इन चीजों को डाइट में शामिल करें

- बादाम का दूध या सोया दूध
- गाय या भैंस का दूध और दही
- चीज
- मोटा अनाज, फोर्टिफाइड सीरियल्स और हरी सब्जियां
- मशरूम
- सप्ताह में एक बार अंकुरित अनाज और सूखे मेवे

एक्सपर्ट की राय

शासकीय होम्योपैथी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की इंचार्ज डॉ. जूही गुप्ता कहती हैं कि विटामिन बी12 शरीर के रेड ब्लड सेल्स को हेल्दी रखने और नर्वस सिस्टम को एक्टिव बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। अगर किसी व्यक्ति को थकान, झुनझुनी, या सांस की तकलीफ जैसी समस्याएं बार-बार हो रही हैं, तो उसे तुरंत बी12 की जांच करानी चाहिए।

कैसे करें बचाव

- हर साल एक बार बी12 जांच कराएं।
- भोजन को ज़्यादा देर तक न पकाएं।
- दूध, दही या फोर्टिफाइड अनाज का सेवन करें।
- डॉक्टर की सलाह से विटामिन सप्लीमेंट या इंजेक्शन लें।

भोपाल में विश्व कप जीत पर भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार

तिरंगे रंग में सजा मंदिर परिसर, मनाया जश्न

सारंग बोले- महिला क्रिकेट को और आगे बढ़ाएंगे

भोपाल (नप्र)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत पर राजधानी भोपाल में जश्न का माहौल है। इस अवसर पर बरखेड़ी स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर को फूलों से सजाया गया और भोलेनाथ के आसपास तिरंगे झंडे लगाए गए, जिससे पूरा मंदिर परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

मंदिर के सेवादार प्रकाश मालवीय ने बताया कि फाइनल मुकाबले से पहले संगठन के सदस्यों ने भोलेनाथ का दूध से अभिषेक कर टीम इंडिया की जीत की प्रार्थना की थी। अब भारत के विश्व विजेता बनने पर मंदिर में भव्य श्रृंगार कर विजय का उत्सव मनाया गया।

श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ से मनोकामना पूर्ण होने पर प्रसाद का भोग लगाया और मिठाइयां बांटी। मंदिर परिसर भारत माता की जय और हर हर महादेव के जयघोषों से गूंज उठा। इस मौके पर चेतन भार्गव, विवेक साहू, पंडित अजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें। सभी ने कहा कि भारत की बेटियों ने देश का मान बढ़ाया है और यह जीत हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि भारत की बेटियों ने सर्वोच्च प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है। मंत्री सारंग ने कहा कि बेटियों ने एक बार फिर साबित किया है कि वे हर क्षेत्र में विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ा रही हैं। सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी हम महिला क्रिकेट अकादमी चलाकर खिलाड़ियों के उन्नयन के लिए काम कर रहे हैं। आज की जीत से एक नई आशा जगी है, जिसके माध्यम से हम प्रदेश और देश में महिला क्रिकेट को और आगे बढ़ाएंगे।

रंजिश का बदला लेने युवक को तलवार मारी

- सिर और हाथ पर आधा दर्जन वार किए, थाने की दो टीमें तलाश में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया में पुरानी रंजिश के चलते चार युवकों ने देर रात एक युवक को घेर लिया। आरोपियों ने उसके सिर और हाथ पांव में तलवार और डंडों से आधा दर्जन वार किए। अधमरी हालत में आरोपी उसे मौके से ही छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया। जहां युवक का इलाज चल रहा है। पूर्व में फरियादी एक आरोपी के साथ मारपीट कर चुका है। इसी का बदला लेने हमला किया गया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

घर लौटते समय रास्ते में घेरकर मारा

पुलिस के मुताबिक पिपालिया पेंदे खां निवासी रिजवान खान पुत्र असलम खान (26) गाड़ी धोने का काम करता है। उसके भाई सलमान खान ने पुलिस को बताया कि वह दुकान बंद कर अपने घर लौट रहा था। तभी रास्ते में आरोपी उस्मान, साहिब, अनस और उसके साथी ने युवक को घेरा लिया और पहले उसके साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने तलवार से उसके सिर और हाथों पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश खून से सनी हुई हालत में उसे छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे परिजन

घटना की खबर लगते ही परिजन पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे, घायल को इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत गंभीर होना बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए रविवार-सोमवार की दरमियानी रात में उनके ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

भोपाल में एअर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, दिल्ली से बेंगलुरु जा रहा था विमान तकनीकी दिक्कत आई, सभी यात्री सुरक्षित

भोपाल (नप्र)। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान दिल्ली से बेंगलुरु की ओर जा रहा था। उड़ान के दौरान पायलट को तकनीकी दिक्कत महसूस की। इसके बाद उसने विमान को भोपाल में उतारने का फैसला लिया। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि फ्लाइट ने रात 8.15 बजे एहतियातन भोपाल में लैंड किया था। यह एक सामान्य प्रक्रिया होती है, जब पायलट को सिस्टम में कुछ अनयूजुअल लगता है। लैंडिंग के बाद विमान की जांच की गई और अब सब कुछ सामान्य है।

जांच के बाद दोबारा भरेगा उड़ान–अवस्थी के अनुसार, विमान की रिफ्यूलिंग और रूटीन जांच के बाद उसे दोबारा उड़ान के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लैंडिंग के बाद किसी भी यात्री या क्रू मेंबर को कोई दिक्कत नहीं हुई।

एक्टर हर्षवर्धन राणे बोले–भोपाल मेरे लिए लकी, यहीं पर एग्जॉम दिया और टॉप किया ; सेल्फी लेने के लिए जुटे फैंस

भोपाल (नप्र)। 'सनम तेरी कसम' फिल्म से पहचान बनाने वाले बॉलीवुड एक्टर हर्षवर्धन राणे सोमवार को भोपाल पहुंचे। उनकी नई फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' हाल ही में रिलीज हुई है। जिसे दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसी खुशी को अपने दर्शकों के साथ सेलिब्रेट करने के लिए हर्षवर्धन राजधानी पहुंचे। एक्टर हर्षवर्धन के एंट्री करते ही लोगों ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान फैंस में एक्टर के साथ सेल्फी लेने की होड़ मच गई। हर्षवर्धन ने भी अपने फैंस को निराश नहीं किया। चलते-चलते उन्होंने फैंस से कहा कि आपने मुझे बहुत प्यार दिया।

कुछ मांगने नहीं, बस थैंक्यू बोलने आया हूं – एक्टर हर्षवर्धन ने कहा कि भोपाल में कॉलेज के एग्जॉम दे चुका हूं और टॉप किया था। अभी मुझे फिल्म के 100 करोड़ रुपए के क्लब में शामिल होने की न्यूज मिली। इसलिए भोपाल की जमीन मेरे लिए बहुत लकी है। हर्षवर्धन ने कहा कि भोपाल में कुछ मांगने नहीं, बस थैंक्यू बोलने आया हूं। पूरे भारत में निकला हूं। हर स्टेट में थैंक्यू बोलने जा रहा हूं। हर्षवर्धन अब शाम को इंदौर के सी-20 मॉल पहुंचकर फैंस से मुलाकात करेंगे।

बीच शो में फैंस के बीच पहुंचे राणे – बंसल प्लाजा में पहुंचे एक्टर को देखने के लिए काफी देर पहले से ही फैंस की भीड़ इकट्ठा हो गई। युवाओं में उनका जोश देखते ही बना। कई लड़कियां गुलाब के फूल लेकर पहुंचीं। जैसे ही हर्षवर्धन प्लाजा में एंट्री करते दिखाई दिए, वहां मौजूद लोगों में उत्साह और शोर बढ़ गया। सुरक्षा के बीच वे भीड़ से निकलते हुए चौथी मंजिल पर पहुंचे। यहां सिनेपोलिस थिएटर में उन्होंने फिल्म के प्रशंसकों से मुलाकात की। फैंस के बीच पहुंचकर हर्षवर्धन ने फिल्म को मिली सफलता के लिए सभी का आभार जताया। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर चुकी है, जो उनकी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है। अभिनेता ने आगे भी दर्शकों से इसी तरह प्यार बनाए रखने की अपील की। हर्षवर्धन ने वहां मौजूद फैंस के साथ फोटो भी क्लिक करवाया।

संपादकीय

बिहार विस चुनाव में हिंसा

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरान एक बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या से राज्य में हिंसा की एंट्री हो गई है। इसी से भाजपा और एनडीए नेताओं द्वारा लालू के समय के जंगलराज की याद दिलाने की रणनीति पर भी बट्टा लगा है। अब तो आरजेडी ही एनडीए राज को महाजंगलराज की संज्ञा देने लगी है। मोकामा की घटना कहीं बिहार चुनाव में 'गेमचेंजर' न बन जाए, इस आशंका से एनडीए ने अपनी रणनीति में कुछ बदलाव किया और इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी और चुनाव में जद यू के बाहुबली नेता अनंत सिंह को जेल भिजवा दिया है। अनंत को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसका मतलब है कि वो चुनाव अब जेल से ही लड़ेंगे। हालांकि अनंत का कहना है कि इस हत्याकांड से उनका कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन अब तक हुई जांच में यही संकेत मिल रहे हैं कि अनंत सिंह इसमें शामिल रहे हैं। गौरतलब है कि कभी लालू प्रसाद यादव के करीबी रहे दुलारचंद यादव की 30 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। दुलारचंद जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी प्रियदर्शी पीयूष का प्रचार कर रहे थे। बताया जाता है कि दुलारचंद और अनंत सिंह की पुरानी रंजिश है। दुलारचंद इस चुनाव में अनंतसिंह की लगातार पोल खोल रहे थे, जिसका बदला अनंत सिंह ने उन्हें दुनिया से उठवा कर लिया। इस घटना से क्षेत्र में जातीय ध्रुवीकरण और तेज हो गया है। क्योंकि अनंत भूमिहार हैं और दुलारचंद यादव थे। जब विपक्ष ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया तब चुनाव आयोग सक्रिय हुआ और इस हिंसा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल हटाया गया। और अनंत सिंह की गिरफ्तारी हुई। वैसे अनंत सिंह के परिवार का इस सीट पर लंबे समय से कब्जा रहा है। गौरतलब है कि दुलारचंद यादव की हत्या से एक दिन पहले गया ज़िले के टिकारी विधानसभा क्षेत्र से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रत्याशी अनिल कुमार पर भी चुनाव प्रचार के दौरान हमला हुआ था। इसके अलावा राज्य में पिछले दिनों अनिरुद्ध कुमार नाम के एएसआई की हत्या कर दी गई। बिहार चुनाव में हो रही ये हिंसक घटनाएं भाजपा और एनडीए द्वारा राज्य में सुशासन और कानून का राज स्थापित करने के दावों पर पानी फेरती हैं। वैसे भी बिहार में चुनावों के दौरान बाहुबलियों का वर्चस्व नई बात नहीं है। हालांकि पिछले कुछ सालों में राज्य में चुनाव के दौरान हिंसा में काफी कमी आई थी। लेकिन अब यह फिर बढ़ने लगी है। जबकि राज्य में सुशासन बाबू नीतीश कुमार का ही राज है। एसोसिएशन ऑफ़ डेमोक्रेटिक रिफ़ॉर्म्स के बिहार को-आर्डिनेटर राजीव कुमार कहते हैं, इस बार सभी उम्मीदवारों का विश्लेषण होना बाक़ी है, लेकिन जिन विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं, साल 2015 में उनकी तादाद 40 फ़ीसदी और 2020 में 51 फ़ीसदी थी। इस बार ज़ाहिर तौर पर ये बढ़ेगा। राज्य में बाहुबली उम्मीदवारों की जीतने की संभावना ज़्यादा होती है क्योंकि उनके पास पैसा, पावर और पूरी व्यवस्था में एक तरीके की सामाजिक स्वीकार्यता भी होती है। पहले पॉलिटिकल पार्टी इन बाहुबली उम्मीदवारों को चुनती है और फिर जनता। मोकामा में हुई घटना इसी प्रक्रिया का विस्तार है। सत्तारूढ़ जदयू द्वारा अनंतसिंह को टिकट देने के पीछे भी यही सोच है। हालांकि अनंत सिंह को जेल भिजवाने के पीछे यह रणनीति भी हो सकती है कि उनके प्रति सहानुभूति लहर पैदा हो जाए और वो जेल से ही चुनाव जीत जाएं। अगर ऐसा ही है तो यह स्वस्थ लोकतंत्र की दृष्टि से शुभ नहीं है। बिहार को अतीत में लौटाने की कोशिश को खारिज किया जाना चाहिए।

नजरिया

अंशुमान
लेखक संसद टीवी में कार्यरत पत्रकार हैं।

जापान की पहली महिला पीएम और एशिया की नई कहानी

एशियाई-प्रशांत क्षेत्र आज बड़े बदलाव से गुज़र रहा है जैसे चीन की तेज़ी, ताइवान विवाद, दक्षिण चीन सागर में तनाव और अर्थव्यवस्थाओं में नए गठजोड़ बन रहे हैं। इस सब में जापान की भूमिका या छवि सिर्फ एक परमाणु शक्ति या आर्थिक दिग्गज देश की नहीं रही बल्कि वह हमेशा स्थिर लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में नजर आया है। अब जब महिला प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जापान उस भूमिका को पुनर्विभाजित कर रहा है, तो इससे कुछ नए संकेत मिल सकते हैं।

जब जापान के संसद द्वारा साने ताकाइची को प्रधानमंत्री चुना गया तो यह सिर्फ एक व्यक्ति की सफलता नहीं थी, बल्कि एक पूरे राष्ट्र, एक क्षेत्रीय राजनीति के स्वरूप, और एक साझेदारी के नए आयाम के लिए संकेत था। साने ताकाइची की नियुक्ति उस समूचे परिदृश्य का प्रतीक है जिसमें जापान पिछली कई दशकों से है। जापान को विकासशील, तकनीकी रूप से सक्षम तो माना जाता है लेकिन सामाजिक समावेशन और लैंगिक समानता के मामलों में उतना ही पीछे। जापान आज भी महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बहुत आगे नहीं है। जब किसी महिला को उस समाज में, उस राजनीति में सबसे उच्च पद पर पदस्थ होती है तो यह मैं हो सकती हूँ की कहानी बन जाती है, जिसका असर कई-साल तक भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से महसूस होगा। ताकाइची का प्रधानमंत्री बनना जापान की युवतियों के लिए एक सकारात्मक संदेश है। यह उन्हें यह भरोसा दिला सकता है कि जापान की राजनीति और निर्णय लेने के महत्वपूर्ण पदों पर उनके लिए भी अवसर हैं। यह बदलाव दिखाता है कि अब नेतृत्व का अर्थ सिर्फ अनुभव या पारिवारिक पहचान नहीं, बल्कि नई दृष्टि, सुधार की भावना और बदलते समय की चुनौतियों को समझ कर आगे बढ़ने की क्षमता से तय होगा।

इस पूरे वाक्ये को अगर राजनायिक दृष्टि से देखा जाए तो साने ताकाइची का प्रधानमंत्री बनना जापान की वैश्विक छवि एवं उसकी विदेश नीति दोनों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ है। वह एक ऐसा नेतृत्व शुरु कर रही हैं जिसमें स्थिरता-और-सहयोग पर ज़ोर है, पर साथ ही उनमें पुरानी सोच के साये भी हैं। उदाहरण के लिए, साने ताकाइची चीन के संबंधों में सख्त रुख रखती हैं, और जापान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में काम करना चाहती हैं। विदेश नीति में यह बदलाव कुछ इस तरह देखने को मिलेगा: जापान अब सशक्त मित्र और गठबंधन के रूप में भागीदारी करेगा। जहाँ अमेरिका-जापान रक्षा सहयोग, इंडो-पैसिफिक में भूमिकाएँ, और आपूर्ति-सुरक्षा जैसे विषय पहले से भी ज़्यादा सामने आएँगे। जियोपॉलिटिक्स के संदर्भ में देखें तो यह कहा जा सकता है कि इस मामले में जापान का कूटनीतिक चेहरा संवाद और सहयोग की ओर झुकाव वाला हो सकता है। हालांकि इस पर जापान को सुरक्षा-संकटों के प्रति सजग भी रहना होगा और यह संतुलन बनाना आसान नहीं होगा, क्योंकि आज की वैश्विक राजनीति में संकट नहीं तो पहचान की नहीं की राजनीति बढ़ रही है।

एशियाई-प्रशांत क्षेत्र आज बड़े बदलाव से गुज़र रहा है जैसे चीन की तेज़ी, ताइवान विवाद, दक्षिण चीन सागर में तनाव और अर्थव्यवस्थाओं में नए गठजोड़ बन रहे हैं। इस सब में जापान की भूमिका या छवि सिर्फ एक परमाणु शक्ति या आर्थिक दिग्गज देश की नहीं रही बल्कि वह हमेशा स्थिर लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में नजर आया है। अब जब महिला प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जापान उस भूमिका को पुनर्विभाजित कर रहा है, तो इससे कुछ नए संकेत मिल सकते हैं।

इन सबमें सबसे पहले जापान के अभी तक की कूटनीति को देखते हुए कहा जा सकता है कि जापान ताकाइची के नेतृत्व में सहयोग-कूटनीति को और प्राथमिकता देगा क्योंकि यह उन तनावों में भी सहायक हो सकता है जहाँ बातचीत कम, टकराव ज़्यादा रहा है। उदाहरण के लिए ताइवान की स्थिति, दक्षिण चीन सागर विवाद, या सीमा-विरोधी गतिविधियों में जापान ने अब तक अमेरिका-सहयोग के माध्यम से भूमिका निभाई है। साने ताकाइची के नेतृत्व में यह भूमिका और स्पष्ट हो सकती है।

दूसरी ओर, उनका रुख 'रक्षा-मजबूती' और आत्म-सुरक्षा की दिशा में भी है जिसमें जापान की संविधान की धारा 9 यानी निष्पक्ष युद्ध न करने की धारा पर पुनर्विचार शामिल हो सकता है। यह विकास क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकता है पड़ोसियों के साथ चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं, लेकिन जापान-के-लिए यह एक अवसर है कि वह उत्तरी-एशिया में स्थिरता का स्तंभ बन सके।

इन सब बदलावों के बीच भारत के लिए यह वक्त अवसरों से भरा हुआ है। भारत-जापान का रिश्ता सिर्फ आर्थिक या रक्षा तक सीमित नहीं रहा यह मूल्य-आधारित साझेदारी भी रहा है: लोकतंत्र, विकास, क्षेत्रीय शांति। अब जब जापान ने अपने नेतृत्व में ऐसा बदलाव किया है, तो भारत के लिए यह कुछ मायनों में तो बेहद खास है। पहला, भारत और जापान मिलकर मानवीय सॉफ्ट-पावर को बढ़ावा दे सकते हैं जैसे कि महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, टेक्नोलॉजी और सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में। भारत और जापान के पूर्ववर्ती संबंधों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जब जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत-जापान सहयोग के नए आयाम खुल सकते हैं विशेष रूप से उस दिशा में जहाँ युवा-महिलाओं को राजनीति, नेतृत्व और टेक्नोलॉजी में बढ़ावा मिले।

दूसरा, सुरक्षा-और-रणनीति के क्षेत्र में भारत-जापान और भी करीब आ सकते हैं। जापान के इंडो-पैसिफिक रणनीति और भारत के 'नी मेघा भारत' दृष्टि में बहुत साम्य है। साने ताकाइची के नेतृत्व में जापान रक्षा सहयोग, समुद्री-सुरक्षा और आपूर्ति-श्रृंखला सुरक्षा में भारत के साथ साझेदारी को और विस्तार दे सकता है।

तीसरा, इस बदलाव से भारत-जापान कूटनीति में मानवीय चेहरे का आयाम बढ़ सकता है जहाँ सिर्फ व्यापार-मिलाप नहीं, बल्कि विकास-साझेदारी, तकनीकी-मजबूती और सामाजिक-स्थिरता को समान रूप से देखा जाए। यह विशेष रूप से एशिया-प्रशांत में भारत की भूमिका को और गहरा कर सकता है एक ऐसा क्षेत्र जहाँ सहयोग को शक्ति-का भाषा माना जा सके।

हालांकि साने ताकाइची का राजनीतिक सफर बताता है कि वे बहुत पारंपरिक और बहुत सकारात्मक महिला- प्रतीक नहीं हैं ना ही उन्होंने लैंगिक सुधारों पर बहुत तेज़ी नहीं दिखाई थी। उनके नीतिगत रवैये में पुराने एजेंडा भी शामिल हैं। इसलिए भारत-जापान साझेदारी में यह देखना होगा कि देखी गयी 'महिला-प्रधान नेतृत्व' सिर्फ प्रतीकात्मक न बन जाए। साथ ही, दक्षिण कोरिया-चीन-ताइवान जैसे पड़ोसी देशों के साथ जापान-के-रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं, जिससे भारत-जापान के बीच रणनीतिक साझेदारी पर असर पड़ सकता है।

जब जापान ने अपनी पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी, तो यह सिर्फ एक पद परिवर्तन नहीं था बल्कि यह एक सोच में बदलाव का प्रतीक था। यह उस पल का संकेत था जब एक देश ने अपनी पुरानी परंपराओं और सीमाओं को नए नजरिए से देखना शुरू किया। जियोपॉलिटिकल रूप से यह कयास लगाये जा रहे हैं कि अब जापान सिर्फ ताकत दिखाने वाला देश नहीं रहना चाहता, बल्कि सहयोग, संवाद और आपसी समझ पर आगे बढ़ने की दिशा में कदम रख रहा है। दुनिया के नज़रिए से भी यह बदलाव अहम है क्योंकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नई संभावनाएं जन्म ले रही हैं, रिश्तों की परिभाषा बदल रही हैं और नए साझेदारी के रास्ते खुल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत के लिए यह समय सिर्फ देखने का नहीं, बल्कि इस परिवर्तन का हिस्सा बनने का है ताकि हमारी साझेदारी केवल आर्थिक या रणनीतिक न होकर मानवीय मूल्यों, आपसी विश्वास और साझा विकास पर आधारित हो।

पर्यावरण

प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दिल्ली में असफल रहे कृत्रिम बारिश के उपाय

दिल्ली में दीपावली पर पटाखों के विस्फोट, पराली का जलना और ठंड की दस्तक के साथ ही वायु प्रदूषण बढ़ने लगता है, अतएव राजधानी क्षेत्र का जन-जीवन स्वास्थ्य कारणों से प्रभावित हो उठता है। मेडिकल जर्नल लैंसेट में हैरानी में डालने वाले सर्वे में बताया है कि भारत में 2010 की तुलना में 2022 में वायु में पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत से ज्यादा हो चुकी है, इसलिए 17 लाख से भी ज्यादा लोग असमय मौत की गोद में सो गए। इससे भारी आर्थिक हानि भी देश को उठानी पड़ी है। इसी समस्या से निपटने के लिए दिल्ली में कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) की गई। परंतु बादलों में पर्याप्त नमी नहीं होने के कारण कृत्रिम बारिश का प्रयोग सफल नहीं रहा। वस्तुतः परीक्षण रोक दिया गया। यह क्लाउड सीडिंग पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों से घिरे आसमान में दिल्ली के बुराड़ी के क्षेत्र में दो परीक्षण के उपाय किए गए थे। इन परीक्षणों में कुल 16 फ्लेयर्स से सिल्वर आयोडायड और सोडियम क्लोराइड योगिकों का मिश्रण चार से छह हजार फीट की ऊंचाई पर बादलों में छोड़ा गया। लेकिन बारिश नहीं हुई। हालांकि थोड़ी बहुत बूंदें नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जरूर धरती को भिगो गईं। कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश में लगे कानपुर आईआईटी के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने दावा किया है कि क्लाउड सीडिंग के असर से ही यह बारिश हुई है। इसी कारण राजधानी के कुछ स्थलों पर कणीय पदार्थ (पीएम) 2.5 और पीएम 10 में कमी दर्ज की गई है। अतएव यह अभियान पूरी तरह सफल रहा। हालांकि कृत्रिम बारिस नहीं होने की नाकामी को बादलों में पर्याप्त नमी नहीं होने का बहाना बनाया जा रहा है। हकीकत यह है कि कृत्रिम बारिश का उपाय पूरी तरह असफल रहा है। यह बारिश दिल्ली सरकार करा रही है।

इस अभियान के अंतर्गत कानपुर की हवाई पट्टी से सेना के विमान ने उड़ान भरी और एक बहुत बड़े हिस्से में वर्षा कराने वाले मिश्रण का छिड़काव किया। यह छिड़काव लंबाई में 25 नाटिकल मील और चौड़ाई में चार नाटिकल मील क्षेत्र में किया गया। पहले चरण में विमान ने करीब 4 हजार फीट की ऊंचाई पर उद्देश्य को पूरा किया। इसमें आठ फ्लेयर्स दागे गए। लगभग 18.5 मिनट के इस अभियान के बाद विमान नीचे लाया गया और दूसरा चरण शाम 3 बजकर 55 मिनट पर शुरू हुआ। इस बार 5 से 6 हजार फीट की ऊंचाई से बादलों में रसायन का छिड़काव आठ फ्लेयर्स से किया गया। आईआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक बादलों में नमी की मात्रा 15 से 20 प्रतिशत तक ही थी, जो कृत्रिम बारिश के लिए उपयुक्त स्थिति नहीं थी। जब इस स्थिति का आकलन कर लिया गया था, फिर विपरीत वायुमंडल में प्रयोग किए ही क्यों गए ? इस बावत आईआईटी ने बहाना बनाया कि यह स्थिति कम नमी वाली स्थितियों में सीडिंग की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए उचित थी। इसलिए ये परीक्षण किए गए। दिल्ली राज्य के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ऐसे प्रयोग राजधानी क्षेत्र में फरवरी 2026 तक किए जाते रहेंगे। अब मौसम विज्ञानी रिपोर्ट के आंकड़ों का गंभीर अध्ययन करने के बाद कृत्रिम बारिश के आगे के उपाय करेंगे। कृत्रिम बारिश की तकनीक अत्यंत महंगी होने के साथ गारंटी से बारिश कराने वाली नहीं है। इसमें संदेह बना रहता है कि पर्याप्त धन खर्च करने के बावजूद कृत्रिम बारिश होगी अथवा नहीं ? इसीलिए मणीन्द्र अग्रवाल ने कहा है कि इस उपाय की कुल लागत करीब 60 लाख रुपए आई है। यह मोटे तौर पर प्रति वर्ग किमी लगभग 20,000 रुपए बैठती है। यदि यह परीक्षण 1000 वर्ग किमी क्षेत्र में किया जाता है तो इसकी लागत 2 करोड़ रुपए होगी। यदि यह परीक्षण पूरे शीतकाल में जारी रखा जाए तो इसकी लागत लगभग 25 से 30 करोड़ रुपए आएगी। हालांकि यह धनराशि इसलिए बहुत बड़ी धनराशि नहीं है, क्योंकि दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर खर्च की जाने वाली कुल धनराशि इससे कहीं ज्यादा है। विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बारिश कराना धन की बार्बादी के अलावा कुछ नहीं है। एक बार बारिश के बाद दो-तीन दिन के भीतर प्रदूषण फिर बढ़ जाता है। अतएव प्रदूषण की स्थायी रोकथाम जमीनी स्तर पर हो जाती है तो कहीं बेहतर है।

श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार तेज गर्मी या प्रलय आने पर सांवर्तक सूर्य अपनी प्रचंड किरणों से पृथ्वी, प्राणी के शरीर, समुद्र और जल के अन्य स्रोतों से रस यानी नमी खींचकर सोख लेता है। नतीजतन उम्मीद से ज्यादा तापमान बढ़ता है, जो गर्म हवाएं चलने का कारण बनता है। यही हवाएं लू कहलाती हैं। परंतु अब यही हवाएं देश के पचास से ज्यादा शहरों को 'उष्मा-द्वीप' (हीट आइलैंड), धुंध और वायु प्रदूषण में बदल रही हैं। आमतौर से गर्म हवाएं तीन से आठ दिन चलती हैं और एक-दो दिन में बारिश हो जाने से तीन-चार दिन राहत रहती है, लेकिन गर्म हवाएं चलने की निरंतरता बनी रहती है। जिसने कई शहरों को ऊष्मा-द्वीप में बदलकर रहने लायक नहीं रहने दिया है। इसके प्रमुख कारणों में शहरीकरण का बढ़ना और हरियाली का क्षेत्र घटना माना जा रहा है। अतएव हमें अपने महानगर जलवायु के अनुरूप बनाने होंगे। उसके लिए बहुमंजिली इमारतों पर वर्टिकल स्थिति में खेती करनी होगी। इससे तात्कालिक छुटकारे के लिए कृत्रिम बारिश के उपाय भी किये जा सकते हैं। लेकिन महंगे होने के कारण इन उपायों को एक साथ कई महानगरों में अमल में लाना आसान नहीं है।

कुछ समय पहले गर्मी से तपते दुबई में ड्रोन के जरिए बादलों को बिजली के झटके देकर बारिश कराई गई थी। बारिश कराने की यह नई तकनीक है। इसमें बादलों में बिजली के झटके देकर बारिश कराई जाती है। इसके प्रभाव से बादलों में घर्षण होता है और बारिश होने लगती है। लेकिन दुबई के बादलों को बिजली का कुछ ज्यादा झटका लग गया, नतीजतन दुबई और आसपास के शहरों में ऐसी जमकर बारिश हुई कि बाढ़ का सामना करना पड़ गया। अतएव कृत्रिम बारिश खतरनाक भी साबित हो सकती है, यह पहली बार पता चला ! गर्मी से तपते संयुक्त अरब अमीरात ने द्रोण के जरिए बादलों को पहले कृत्रिम मेधा से इलेक्ट्रिक चार्ज किया गया था। दरअसल यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिक इस पर पिछले कुछ समय से काम कर रहे थे। इस तरह से बारिश कराना बेहद महंगा है। कृत्रिम बारिश के अन्य तरीकों में पहले कृत्रिम बादल बनाए जाते हैं और फिर उनसे बारिश कराई जाती है। चीन ने इस तकनीक से बारिश कराने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है।

पांचवें दशक में वैज्ञानिकों ने प्रयोग करते हुए महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कृत्रिम बारिश कराई थी। दिल्ली में पिछले साल शीत-ऋतु में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कृत्रिम बारिश की तैयारी कर ली गई थी,लेकिन संभव नहीं हुई। भारत में कृत्रिम बारिश की शुरुआत 70 साल पहले हुई थी। तब कृत्रिम बारिश के जाने-माने मौसम विज्ञानी एसके चटर्जी की अगुवाई में गैस के गुब्बारों से बारिश कराई गई थी। कृत्रिम बारिश करना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसके लिए पहले कृत्रिम बादल बनाए जाते हैं। पुरानी और सबसे ज्यादा प्रचलित तकनीक में विमान या रॉकेट के जरिए ऊपर पहुंचकर बादलों में सिल्वर आयोडाइड मिला दिया जाता है। सिल्वर आयोडाइड प्राकृतिक बर्फ की तरह होती है। इसकी वजह से बादलों का पानी भारी हो जाता है और बरसात हो जाती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कृत्रिम बारिश के लिए बादल का होना जरूरी है। बिना बादल के क्लाउड सीडिंग नहीं की जा सकती है। बादल बनने पर सिल्वर आयोडाइड का छिड़काव किया जाता है। इसकी वजह से भाप पानी की बूंदों में बदल जाती है और इनमें भारीपन आ जाता है। फिर गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से ये धरती पर गिरने लगती हैं । वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर के 56 देश क्लाउड सीडिंग का प्रयोग कर रहे हैं । इस तरह की बारिश का पहला प्रयोग फरवरी 1947 में ऑस्ट्रेलिया के बाथुर्स्ट में किया गया था। इसे जनरल इलेक्ट्रिक लैब ने अंजाम दिया था। छठे और सातवें दशक में अमेरिका में कई बार कृत्रिम बारिश करवाई गई। ज्यादातार मामलों में कृत्रिम बारिश सूखे की समस्या से बचने या फिर गर्मी से राहत के लिए की जाती है। चीन ने 2008 में ओलंपिक खेलों के लिए बारिश के खतरे को टालने हेतु कृत्रिम बारिश कराई थी। यह प्रयोग 21 मिसाइलों को आसमान में उमड़े बादलों पर दाग कर अंजाम तक पहुंचाया गया था। नतीजतन खेलों से पहले खूब बारिश हो गई थी। और खेलों के समय प्राकृतिक बारिश का खतरा टल गया था। लखनऊ और महाराष्ट्र में भी कृत्रिम बारिश की तकनीक अपनाई जा चुकी है। लेकिन प्रदूषण से निपटने के लिए किसी बड़े भूभाग में इसका प्रयोग अब तक संभव नहीं हो सका।

बेटियों ने लिख डाली गौरव गाथा

विश्व कप महिला क्रिकेट

रागिनी श्रीवास्तव
लेखक कनाडा निवासी साहित्यकार हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप 2025 की शानदार जीत के लिए हार्दिक बधाई! खिलाड़ियों ने मेहनत, समर्पण और खेल भावना से हम सभी का दिल जीत लिया। पूरी टीम युवा वर्ग की प्रेरणा है। यह जीत महिला क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर है जिससे खिलाड़ियों को नई ऊर्जा, उत्साह और वैश्विक मान्यता मिली।

क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि लाखों लोगों की दिलों की धड़कन है। भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता इतनी है कि यह किसी त्योहार या जश्न से कम नहीं माना जाता। जब भारतीय टीम मैदान पर होती है, तो लोग घरों, स्टेडियम और टीवी के सामने अपनी साँसें रोककर मैच का आनंद लेते हैं।

महिला क्रिकेट विश्व कप, अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत 1973 में इंग्लैंड में हुई थी, और तब से यह हर चार से पांच साल में आयोजित होता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद करती है। इसमें दुनिया की शीर्ष महिला क्रिकेट टीमें हिस्सा लेती हैं और खिताब जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। इस टूर्नामेंट ने दुनिया भर में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत की जीत एक ऐतिहासिक पल है। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहला विश्व कप खिताब जीता। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खिलाड़ियों ने एकजुटता, कौशल और साहस का शानदार प्रदर्शन किया। यह जीत न केवल भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का विषय है, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी। भारतीय महिला टीम की दृढ़ता और सामर्थ्य ने देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया और एक नया समीकरण संघर्ष व निरंतरता से सफलता संभव है स्थापित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा यह जीत हमारी बेटियों के अद्भुत कौशल, अटूट विश्वास, कड़ी मेहनत का नतीजा है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
लेखक व्यंग्यकार हैं।

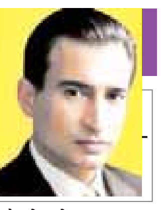

चरित्र हनन-एक नया स्टार्ट अप और यम 007 की रिपोर्ट

यमराज की मेज पर रखी फाइलों के ढेर में एक फाइल बाकी सबसे अलग चमक रही थी। उसका कवर नीयॉन रंग का था और उस पर लिखा था- केस फ़ाइलः मूर्तिभंजन एंड कंपनी - अर्जेंटः न्यू टाइप ऑफ़ कर्मा। यमराज ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर छपी दुकान की 'रेट-लिस्ट' पढ़कर उनका सिर चकरा गया। उन्होंने चश्मा उतारकर चित्रगुप्त से पूछा, 'चित्रगुप्त, ये क्या है? 'अफवाह फैलाने का पैकेज–पचास रुपये', 'चारित्रिक हत्या–पाँच सौ रुपये में डीलक्स पैकेज'... ये कौन-सा नया पाप है? हमने तो आज तक हत्या, लूट, भ्रष्टाचार जैसे केस ही हैंडल किए हैं। ये 'चरित्र-भंजन' का धंधा कब से शुरू हो गया?' चित्रगुप्त ने एक लंबी साँस ली, जो आधी चिंता और आधी बेबसी से भरी थी। 'प्रभु, यही तो प्रॉब्लम है। यह केस हमारे 'स्कोप ऑफ वर्क' से बाहर का लगता है। आर्यावर्त में अब लोग शरीर नहीं, इज़्ज़त मारते हैं। और प्रभु, यह हत्या से भी ज़्यादा खतरनाक है। शरीर की मौत का तो हमारे पास रिकॉर्ड होता है, पर इज़्ज़त की मौत का हिसाब हमारा 'कर्म-प्रोसेसर' कैलकुलेट ही नहीं कर पा रहा है।'

मामले की तह तक जाने के लिए भेजे गए यम-007 जब वापस लौटे तो उनका चेहरा देखने लायक था। यमराज के सबसे अनुभवी और 'स्ट्रीट-स्मार्ट' यमदूत ने आते ही सैल्यूट मारा और बोला, 'सर, सीन बहुत मेस्ड-अप है। इट्स अ फुल-फ्लेज्ड बिज़नेस! दुकान का मालिक गर्व से कहता है–'अब मूर्तियाँ नहीं, चरित्र तोड़े जाते हैं, यही असली मूर्तिभंजन है'। सर, द हैमर इज़ नॉट मेड ऑफ़ आयरन एनीमोर, इट्स मेड ऑफ़ व्हाट्सएप! मैंने अपनी आँखों से देखा, एक टीचर अपने सीनियर की इज़्ज़त ख़राब करवाने आया था, एक नेता अपने प्रतिद्वंदी को 'देशद्रोही' साबित करवाने का 'इलेक्शन स्पेशल पैकेज' ख़रीद रहा था। यम-007 की रिपोर्ट सुनने के बाद चित्रगुप्त ने मामले के और गहरे पहलुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने अपनी टैबलेट पर कुछ स्वाइप करते हुए यमराज को ब्रीफ करना शुरू किया, 'प्रभु, मामला सिर्फ़ व्यक्तिगत दुश्मनी का नहीं है, यह एक पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। पत्रकार अपनी टीआरपी के लिए 'मसालेदार कंटेंट' यहीं से ख़रीद रहे हैं। अफ़सर अपना ट्रांसफ़र रुकवाने के लिए दूसरे अफ़सर की 'मूर्ति तुड़वा' रहे हैं। यह एक नया धर्म बन गया है, प्रभु, जहाँ दूसरे की मूर्ति गिराकर अपनी मूर्ति स्थापित की जाती है। और सबसे ख़तरनाक बात, इस पाप का कोई डिजिटल-फुटप्रिंट हमारे सिस्टम से सिंक ही नहीं हो रहा। एक फ़र्ज़ी ख़बर से किसी की ज़िंदगी बर्बाद हो जाती है, पर हमारा सिस्टम उसे 'वन लाइक, वन शेयर' से ज़्यादा कुछ नहीं पढ़ पाता। हम उसे पाप के किस कॉलम में डालें?'

यह सब सुनकर यमराज का सिर और चकरा गया। उन्होंने स्थिति को एक और एंगल से समझने के लिए अपने सबसे युवा यमदूत, 'यम-जेन-ज़ी', को भेजा जो इंस्टाग्राम-रील्स बनाने में माहिर था। उसे कहा गया कि वहाँ के 'कस्टमर-वाइब' को समझकर आए। यम-जेन-ज़ी जब वापस आया तो उसकी आँखों में खौफ की जगह हैरानी थी। 'ब्रो ! लाइक, सीरियसली ! दैट्स द न्यू स्टार्ट-अप कल्चर डाउन देयर ! समाज को यही चाहिए। दुकानदार ने मुझसे कहा, 'मैं तो सिर्फ़ सर्विस प्रोवाइडर हूँ, डिमांड तो सोसायटी से ही आती है।' ब्रो, इट्स लाइक, कैरेक्टर-असैसिनेशन इज़ द न्यू एंटरटेनमेंट। लोग अपनी मेहनत से घर बनाने की बजाय, दूसरे का घर जलाने में ज़्यादा इंटरेस्टेड हैं। और यह दुकान उन्हें माचिस और पेट्रोल बेच रही है। होल सोसायटी इज़ द क्लाइंट, ब्रो !' सारी रिपोर्टें सुनने के बाद यमराज गहरे सोच में डूब गए। उन्होंने चित्रगुप्त से कहा, 'यह हमारी समझ से परे है। पहले के ज़माने में रावण ने सीता का हरण किया, तो उसे पापी कहा गया। आज लोग सरे-बाज़ार किसी की इज़्ज़त का हरण कर देते हैं और उसे 'फ्रीडम ऑफ़ एक्सप्रेशन' कहते हैं। अगर आज के ज़माने में किसी की इज़्ज़त लूटी जाए, तो लोग बचाने नहीं, वीडियो बनाने आते हैं। ऐसे लोगों की आत्मा का हम क्या करें? उनकी आत्मा तो शरीर में ही मर चुकी है।' चित्रगुप्त ने कहा, 'प्रभु, आप सही कह रहे हैं। ये 'मूर्तिभंजन एंड कंपनी' तो सिर्फ़ एक दुकान है। असली दुकान तो लोगों के दिलों में खुल गई है, जहाँ ईर्ष्या, नफ़रत और जलन का सामान बिकता है। हम एक दुकान बंद करवा सकते हैं, पर करोड़ों दिलों में चल रहे इस धंधे को कैसे रोकेंगे?' काफी देर की खामोशी के बाद, यमराज ने अपनी गदा उठाई और एक ऐसा फैसला सुनाया जो यमलोक के इतिहास में पहले कभी नहीं लिया गया था। उन्होंने 'मूर्तिभंजन एंड कंपनी' की फाइल पर एक नया स्टैम्प लगवाया, जिस पर लिखा था- 'केस क्लोज्डः आउट ऑफ कर्म-ज्यूरिस्डिक्शन'। उन्होंने चित्रगुप्त को निर्देश दिया कि बही-खाते में एक नई कैटेगरी बनाई जाए- 'चरित्र-मृत' इस कैटेगरी में उन आत्माओं को रखा जाएगा, जो शरीर से तो ज़िंदा हैं, पर जिनकी इज़्ज़त और मान-सम्मान की आर्यावर्त में हत्या हो चुकी है। यमराज ने अपनी गदा उठाते हुए कहा,' छोड़ दो इस केस को। इन 'चरित्र-मृत' लोगों को आर्यावर्त के डिजिटल नर्क में ही रहने दो।

दृष्टिकोण

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

भाप में जिंदगी ढूंढते हैं दुनिया भर के लोग

इस दुनिया में सब कुछ हो पर भाप ही न हो तो फिर दुनिया का होना दिखता ही नहीं है। यह भाप ही है जो दुनिया को दुनिया की तरह से दिखाने का काम करती है। जीवन के हर मोड़ पर जिंदगी भाप के सहारे ही चलती है। जीवन की गति और सांसारिक गति में यदि कोई एक बात कामन है तो वह भाप का ही राज्य है। भाप देखते-देखते आ जाता है और एक क्षण में जिस तेजी से पसर जाता है उसी तेजी से खत्म भी हो जाता है। भाप के भीतर ही जिंदगी फंसी हुई है इससे निकल कर कहीं नहीं जा सकते।

संसार में हर कदम पर एक न एक दुनिया नये सिरे से मिलती है। दुनिया को देखने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है यह आप पर है कि आप कैसे दुनिया को देखते हैं, यह देखना ही महत्वपूर्ण है जब आप देखते हैं तो संसार आपकी आंखों के आगे घूमने लगता है। बहुत बार दुनिया भर की बातें और संदर्भ हमारी आंखों के आगे ही होते हैं पर जरूरी नहीं कि उसे देखें ही। देखते सभी लोग हैं पर देखकर चमत्कृत होना , उस दुनिया का अर्थ खोजना उसपर विचार विमर्श करना ही सही मायने में देखना होता है। जब इस तरह से आप किसी भी पदार्थ को देखते हैं तो पदार्थ और उस दुनिया का अध्ययन सामने आता है। यह भी हो सकता है कि देखने के बाद भी चीजें उस रूप में आपके सामने आएं ही नहीं जैसे आना चाहिए।

अब आप देखिए कि रोज ही हम सब चाय पीते हैं पर चाय की भाप पर नजर जब गई तब ही गई और लगा कि यह भाप का उठना ही सब कुछ है। यह सब आपके देखने पर निर्भर है। संसार में जो कुछ है वह आपके देखने भर ही निर्भर करता है यह भी बहुत सारे लोगों को लगता है कि वे नहीं देखेंगे तो दुनिया का अस्तित्व ही नहीं होगा या सारा अस्तित्व हमारे देखने के उपर ही निर्भर करता है। आप नहीं देखेंगे तो कोई और देखेगा और कोई भी देखने वाला नहीं है तो ऊपरी शक्ति देख रही है। भाप जो अगले ही क्षण में उड़ जाता है उसका अस्तित्व इस तरह से हो जाता है कि सब कुछ भांप ही है और यह दुनिया भाप पर ही टिकी है। दुनिया की सत्ता, दुनिया की गति और दुनिया का होना भाप के साथ ही संभव होता है। भाप का उठना वास्तव में संसार को नये सिरे से देखना ही होता है। यह भी कह सकते हैं कि भाप का उठना जीवन के उठने की कहानी होती है। हर भाप के पीछे ईंधन का जलना होता है। ईंधन ही जलता है और गर्म होते ही दुनिया भर में भाप उड़ने लगती है। भाप ही तो है हर गति में हर विस्तार में, यहां तक कि जीवन और विचार में भाप की गति एक साथ मिलती है।

पृथ्वी पर, नदी में, सागर में
पहाड़ पर, बर्फ की चट्टानों पर
उड़ता ही जा रहा है
भाप से भरा संसार
यहां वहां दूर-दूर तक
कुछ और नहीं
भाप का ही राज है
इस पृथ्वी पर एक एक कर
जितनी परतें उघाड़ कर देखोगे
कुछ और नहीं भाप ही दिखेगा
भाप में कुछ और नहीं

इस दुनिया में सब कुछ हो पर भाप ही न हो तो फिर दुनिया का होना दिखता ही नहीं है। यह भाप ही है जो दुनिया को दुनिया की तरह से दिखाने का काम करती है। जीवन के हर मोड़ पर जिंदगी भाप के सहारे ही चलती है। जीवन की गति और सांसारिक गति में यदि कोई एक बात कामन है तो वह भाप का ही राज्य है। भाप देखते देखते आ जाता है और एक क्षण में जिस तेजी से पसर जाता है उसी तेजी से खत्म भी हो जाता है। भाप के भीतर ही जिंदगी फंसी हुई है इससे निकल कर कहीं नहीं जा सकते।

भाप ही जिंदगी है। दुनिया भर के लोग भाप में जिंदगी को ढूढ़ते हैं। भाप है, इसका मतलब साफ है कि आपके आसपास दुनिया जो बन रही है उसमें गर्माहट है। जब गर्माहट से भरी हवा चलती है तो कोई भी अपने मन को रोक नहीं पाता। हवा पानी और भाप ही तो वह जीवन संसार है जिससे दुनिया की गति सही ढ़ंग से होती रहे । सीधी सी बात है कि हम सब जीवन भर कुछ करें या न करें पर जब तब चाय की भाप उठती है तो लगता है कि यहीं जिंदगी के गीत गाने वाले हैं। यह जो जिंदगी है वह भाप के साथ रहती है भाप और गर्माहट जिंदगी के मूल में है। आप कुछ करें या न करें पर भाप को सम्भाल कर रखें। भाप ही सबकुछ है। यदि भाप ही नहीं रहा जिंदगी में गर्माहट ही नहीं बची तो फिर क्या बचा, ऐसे में कोई भी क्यों न हो, कुछ नहीं कर सकता। अक्सर चाय के प्याले से भाप उठती रहती है और यह भी सच है कि जो चाय का प्याला है वह अपने भीतर पूरी एक दुनिया ही बसा कर रखता है। आदमी के आसपास कुछ हो या न पर भाप उठने भर की संभावना हो तो यह दुनिया के लिए काफी हो जाता है। जिंदगी की गति में भी भाप का ही रोल है और जो इंजन पहली बार चला वह भाप से ही चला था । यह भाप पूरे संसार को ही गति देने का काम करती है। भाप पर ही संसार की सारी गति टिकी है।

भाप के साथ ही खन खन की ध्वनि आनी शुरू हो जाती है। यह ध्वनि इस बात का प्रमाण है कि दुनिया तैयार है गति के लिए सब आप चल सकते हैं। भाप की उर्जा को संभाल कर रखना और आगे की गति के लिए चल पड़ना ही जीवन है। जीवन में जहां गति है वहीं पर भाप है और वहीं उर्जा का संचार होता रहता है। भाप एक समय के बाद उड़ जाता है, जब तक भाप उठती है तब तक गर्मी बनी रहती है। यह भाप का उठना ही सब कुछ है भाप जीवन के केंद्र में है। जहां से भाप उठना बंद हो जाता है वहां कोई आसपास फटकता भी नहीं है ।

अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा में नई चुनौतियाँ

जी 2 युग में भारत

अरुण कुमार डनायक

लेखक समाजसेवी हैं!

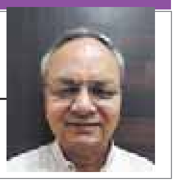

गत सप्ताह विश्व राजनीति की चाल अचानक तेज़ हो गई। बसान (दक्षिण कोरिया) में ट्रम्प और शी जिनपिंग की वार्ता ने उस 'जी-2 युग' की शुरुआत कर दी, जहाँ शक्ति और शांति दोनों की परिभाषा दो महाशक्तियों के हितों से तय होगी। चीन और अमेरिका के बीच जो नया समीकरण बन रहा है, वह किसी एक देश को नहीं, भारत सहित पूरी एशियाई राजनीति को प्रभावित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक मंचों से अनुपस्थिति और ट्रम्प से सीधी भेंट से परहेज़, भारत की विदेश नीति की सक्रियता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर लगातार यह दोहराते रहे हैं कि 'भारत किसी का अनुचर नहीं बनेगा', पर व्यवहारिक राजनीति में भारत अब घटनाओं के पीछे-पीछे चलने वाला देश बन गया है। कूटनीतिक संवादों की जगह अब केवल बयानबाज़ी और दिखावटी फोटो-सेशन ने ले ली है।

इस पृष्ठभूमि में सबसे बड़ा प्रश्न आर्थिक नीति का है। भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता अब निर्णायक चरण में है। वॉशिंगटन खुलकर चाहता है कि भारत कृषि आयात, डेयरी और मत्स्य क्षेत्र में अपने बाज़ार खोल दे। सरकार भले सतर्क दिख रही हो, पर चीन-अमेरिका सोयाबीन समझौते के बाद भारत के लिए इन मांगों को नकारना मुश्किल होगा। संभावना यही है कि आने वाले महीनों में भारत सोयाबीन, मक्का और मत्स्य उत्पादों के सीमित आयात की अनुमति देगा और अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत के दरवाजे आंशिक रूप से खोल देगा । 'समझौते की आवश्यकता' कहा जाने यह कदम छोटे व मध्यम किसानों के लिए आघात है और आत्मनिर्भरता व स्वदेशी की नीति के विपरीत जाता है।

ऐसा लगता है कि भारत की विदेश नीति प्रतिक्रियात्मक हो गई है – अब वह घटनाओं को घटित होने से पहले नहीं, बाद में समझती है। जी-2 भारत के लिए स्पष्ट संकेत है – हमें विश्वगुरु या महाशक्ति बनने के दंभ से ऊपर उठकर अपनी अर्थव्यवस्था, रक्षा, तकनीकी क्षमता और शासन सुधार पर ध्यान केंद्रित करना होगा, साथ ही नीतिगत घोषणाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। भारत की विदेश नीति की तरह उसकी व्यापार नीति भी असफल दिख रही है। पहले ही उसने एलन मस्क की टेस्ला को भारत में शोरूम खोलने, बिजली-वाहनों पर आयात शुल्क घटाने और कपास के आयात को कर-मुक्त करने जैसी रियायतें देकर अपने पत्ते खोल दिए। हमारे पास चीन जैसी औद्योगिक क्षमता नहीं है और न दुर्लभ खनिजों का बल, इसलिए हमारे पास व्यापारिक सौदेबाजी की क्षमता का अभाव है । स्वेच्छा से आयात शुल्क घटाने से अमेरिका को दबाव बनाने का अवसर मिला और कृषि आयात का दबाव इसी नीति का परिणाम है। जबकि चीन और अमेरिका अपने-अपने हित साध रहे हैं – चीन ने टैरिफ राहत और तकनीकी लाभ उठाया, अमेरिका ने ऊर्जा और चिप निर्भरता कम की – भारत ने शुल्क घटाकर अपनी स्थिति कमजोर कर ली।

रूस से तेल आयात के मामले में भारत की नीति दो दिशाओं में बँटी दिखती है। एक ओर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों की परवाह किए बिना सस्ता रूसी तेल खरीदना जारी रखा, तो दूसरी ओर भुगतान और बीमा शर्तों में अमेरिकी दबाव स्वीकार किया। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें रूस से तेल खरीद बंद करने का आश्वासन दिया है, जबकि चीन के साथ हुई बैठक में यह मुद्दा लगभग उठाया ही नहीं गया। इसके विपरीत, भारत को रूस-तेल व्यापार पर भारी शुल्क लगाने की चेतावनी दी गई – जिससे संकेत मिलता है कि ऊर्जा नीति में भी भारत पर बाहरी दबाव बढ़ रहा है। मोदी सरकार की कूटनीतिक छवि भले मजबूत दिखे, पर इसकी संस्थागत गहराई कमजोर पड़ गई है। व्यक्ति-केंद्रित विदेश नीति में प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत लोकप्रियता को विदेश नीति की सफलता मान लिया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि भारत के पारंपरिक सहयोगी – रूस, ईरान और आसियान देश धीरे-धीरे दूर होते गए हैं। पड़ोसियों से हमारे सम्बन्ध पहले से ही खराब हैं । मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप के साथ भारत के रिश्ते भी हाल के वर्षों में उल्लेखनीय रूप से शिथिल और असंतुलित होते गए हैं। नतीजा यह है कि भारत न चीन-नीति तय कर पा रहा है, न अमेरिका की अपेक्षाओं से मुक्त हो पा रहा है।

दो महाशक्तियों के बीच वार्तालाप में कई संदेश छिपे हैं। ट्रम्प द्वारा तीन दशक बाद परमाणु परीक्षण फिर शुरू करने के आदेश ने वैश्विक तनाव बढ़ाया, जिस पर चीन ने सीटीबीटी के पालन और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने की नसीहत दी। अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत एकतरफा सौदे कर रहा है, जबकि चीन बहुपक्षवाद का दावा करता है और आसियान के साथ उन्नत मुक्त व्यापार समझौते से क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ा चुका है। ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान युद्धविराम और थाईलैंड-कंबोडिया समझौते का श्रेय खुद लिया, जबकि शी ने चीन की गुप्त मध्यस्थता का दावा कर उनकी बात खारिज की। यह दिखाता है कि एशिया में 'शांति स्थापक' की भूमिका को लेकर अमेरिका और चीन के बीच कूटनीतिक संघर्ष तेज हो गया है, जिससे भारत अपनी स्वतंत्र नीति खोकर दबाव में आ सकता है।

यद्यपि अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह पर भारत को छह महीने की छूट दी, जिसे विदेश मंत्रालय ने बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया, फिर भी हाल की वैश्विक घटनाएँ भारत की नीति की वास्तविक स्थिति उजागर करती हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि वैश्विक आपूर्ति, तकनीक और ऊर्जा व्यापार में असमानताएँ बढ़ रही हैं, और पश्चिमी देश अपने सिद्धांतों का पालन चयनात्मक रूप से करते हैं। मोदी सरकार ने विदेश नीति को आत्मगौरव की भाषा में प्रस्तुत करने का प्रयास किया, लेकिन इसे वास्तविक आत्मविश्वास और प्रभावी नीति में बदलने में असमर्थ रही। आज, जब अमेरिका और चीन मिलकर नई व्यवस्था बना रहे हैं, भारत की नीति न तो आत्मनिर्भर दिखती है, न आत्मविश्वासी।

भविष्य में भारत को रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने की आवश्यकता है और किसी एक महाशक्ति के खेमे में फंसने से बचना चाहिए। आर्थिक सुधार और स्वदेशी तकनीक–जैसे शोध एवं विकास, रक्षा निर्माण, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा सुरक्षा–में निवेश बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही, क्षेत्रीय साझेदारियों को मजबूत कर पड़ोसी देशों के साथ भरोसे का वातावरण बनाना चाहिए। भारत को 'शांति निर्माता' की छवि पुनः स्थापित करने के लिए संवाद और मध्यस्थता पर ध्यान देना होगा ।

युवाओं के सवालों का हल खोजती एक पुस्तक

पुस्तक चर्चा

आरबी त्रिपाठी

समीक्षक

एक ऐसे समय जब युवा वर्ग में भटकाव नजर आता है और वे सनातन धर्म तथा धार्मिक ग्रंथों, पुराणों में वर्णित आख्यानों, संदेशों को ना तो पढ़ पा रहे हैं और ना ही उनके अर्थ को व्यापक संदर्भ में समझ पा रहे हैं। तब लेखक दिनेश मालवीय की नई पुस्तक 'जिज्ञासा , युवा और धर्म' युवाओं समेत अन्य जिज्ञासुओं, मुमुक्षुओं के लिए अदभुत कृति की तरह है। यह पुस्तक अनेक जिज्ञासाओं का समुचित समाधान तो खोजती ही है साथ ही कुछ और जिज्ञासाएं तथा प्रश्न उत्पन्न भी करती है। ऐसे वक्त जब पड़ोसी देश नेपाल से शुरू हुए जेन जी आंदोलन के जरिये युवाओं का आक्रोश भारत समेत विश्व के अन्य देशों में कई दफे सड़कों पर उभरकर सामने आ रहा है तथा सरकारों के समक्ष इससे शांतिपूर्ण तरीके से निपटने, युवाओं को भरोसे में लेकर उनके लिए रोजगार, धंधों के नये रास्ते बताकर उन पर ईमानदारी से अमल की खासी जरूरत चुनौती की भांति सामने है तब ऐसी पुस्तकों का प्रकाशन और प्रसार और भी ज्यादा समीचीन कहा जाना चाहिये। पुस्तक के लेखक और मूल रूप से अनुवाद की विधा को नया आयाम देने वाले विचारक दिनेश मालवीय ने बहुत प्रासंगिक रूप से 'विवेक' नामक युवक के मन मष्तिष्क में उमड़ते घुमड़ते, उभरते प्रश्नों को माध्यम बनाकर प्रश्नोत्तर शैली में अपने अध्ययन, चिंतन, मनन और अनुभवों के आधार पर सवालों का समाधानकारी उत्तर देने के लिए अनेक ग्रंथों के प्रसंगों को चुना है। इनमें मुख्य रूप से रामायण, राम चरित मानस, महाभारत, श्रीमद भगवत गीता के साथ अन्य धार्मिक पुस्तकों में वर्णित आख्यानों का समुचित संदर्भ देकर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनका संक्षिप्त लेकिन यथोचित वर्णन किया गया है।

दरअसल, यह सही है कि आज के युवाओं की पढ़ने के प्रति रुचि, रुझान और जिज्ञासा आश्चर्यजनक रूप से कम होती दीखती नजर आ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म और अब एक नये अवतार एआई पर अहर्निशं व्यस्तता के चलते उनका इस ओर से भी ध्यान भटकाया है यह कहा जाना चाहिये। ऐसे में सरल, बहुत कम लेकिन आत्मसात करने वाले शब्दों में रोचक तरीके से उनकी जिज्ञासा शांत हो सके और वे धार्मिक ग्रंथों, पुराणों, उपनिषदों के पठन-पाठन तथा उनके संदेशों को हृदयंगम कर उनकी ओर उन्मुख हो सकें इस बात की महती आवश्यकता है। यह पुस्तक इसी दिशा में ले जाती दीखती है।

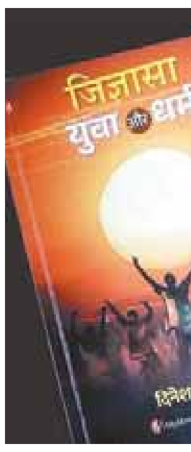

पुस्तक में वर्णित विविध प्रसंगों के सब हैडिंग देकर उनकी व्याख्या प्रस्तुत करने से स्व रुचि अनुसार विषय को पढ़ना और भी ज्यादा आसान बना दिया गया है। यह लेखकीय चतुराई है। पुस्तक की प्रस्तावना में ही स्वयं लेखक द्वारा यह पुस्तक क्यों? शीर्षक से उम्मीद जाहिर की गई है कि इसके जरिये बच्चों युवाओं में संस्कार के बीज रोपित हो सकेंगे और वे बड़े होकर इन्हीं संस्कारों के वशीभूत होकर ना केवल इसे पढ़ने को प्रवृत्त होंगे बल्कि अपने सवालों जिज्ञासाओं का यथासंभव समाधान भी खोज सकेंगे। पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण भी प्रकाशित हो गया है। इससे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा पा रहे युवा, विद्यार्थी और अन्य पाठक भी इसका लाभ उठा सकेंगे।

पुस्तक- जिज्ञासा, युवा और धर्म
लेखक- दिनेश मालवीय
प्रकाशक- माय मिरर पब्लिशिंग हाउस, पुणे (महाराष्ट्र)

कालिदास समारोह पर विशेष

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

कालिदास की कविता हम लोगों की कविता है

महाकवि कालिदास की कविता न तो केवल पंडितों की है, न केवल कालिदास समारोह के सरकारी आयोजकों की। वह हम लोगों की कविता, हमारी कविता है। जो कविता लोकरुचि के हिसाब से नहीं, वह यश नहीं दिला सकती। यह बात कालिदास बहुत अच्छी तरह जानते हैं। वे यह भी जानते हैं कि लोगों के बीच रहने वाले कवि को आकाश में उड़ने की अपेक्षा अपने पाँव जमीन पर ही रखना चाहिए। वे अपने को 'अल्पविषयामति' कहते हैं, लेकिन कालिदास समारोह के आयोजक-गण करोड़ों का बजट लेकर आसमान में उड़ रहे हैं। उनके पास बड़ी सरकारी नाव हो सकती है, लेकिन कालिदास अपनी छोटी सी नाव में बैठ कर समुद्र पार करने की इच्छा जताते हुए लोगों के बीच जाकर खड़े हो ही जाते है।

कालिदास ने अपनी सबसे पहली रचना लिखी 'ऋतुसंहारम्'। ऋतुसंहार लोगों के लिये लिखा गया बहुत ही सरल-तरल काव्य है। लोकजीवन पर सर्वाधिक प्रभाव ऋतुओं का ही होता है। ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर और वसंत ही लोकजीवन को प्रभावित करने वाले तत्व हैं। आज भी जब धनाढ्य लोगों के पास सब तरह की सुख-सुविधाएँ हैं, वे लोगों के बीच आने के लिये मचलते हैं। इतना तो वे भी जानते हैं कि उनका मन लोगों के बीच पहुँच कर ही तृप्त होगा। कालिदास ऋतुसंहार की शुरुआत कितने सुंदर ढंग से करते हैं –'लो आ गये गर्मी के दिन,दिन भर तपता सूरज, साँझ सलौनी हो जाती है,भला चंद्रमा करता मुझसे मीठी-मीठी बात, मन करता है, गहरे पानी खूब नहाऊँ मैं दिन-रात।'

पूरा का पूरा ऋतुसंहार बिना कठिन शब्दावली, बिना किसी अलंकार योजना, बिना वैदग्ध्य-प्रदर्शन लोगों को वन-उपवन में ले चलता है। वहाँ केवल दो चीजें हैं – ऋतुएँ हैं और लोक जीवन है। इनके साथ-साथ बहती हुई नदियाँ हैं, पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, बादल हैं, फूल हैं, उन पर मंडराते भौंरे हैं, वनस्पतियाँ हैं। ऋतुसंहार लोक जीवन के बहुत समीप है। समूचे भारतीय साहित्य में जितना अच्छा लोक जीवन का परिचय ऋतुसंहार में मिलता है, उतना और कहीं नहीं।

विश्व साहित्य में मेघदूतम् के टक्कर की कोई कविता नहीं है। एक अभिशप्त और लुटा-पिटा यक्ष इतनी समर्थ कविता का मुख्य पात्र हो सकता है, यह भरोसा मेघदूतम् को कई बार पढ़ने के बाद भी नहीं होता। पूर्वमेघ में यक्ष का बहुत ही कम शब्दों में परिचय देने के बाद कालिदास सीधे जो लोक-यात्रा करवाते हैं हमारी, वह कैलास पर्वत के उस पार अलकापुरी तक अनवरत चलती है। कवि मेघदूतम् क्यों लिखता है? कालिदास साफ-साफ कहते हैं कि उन्होंने मेघदूत की रचना उन लोगों का मन बहलाने के लिये की,जो विरही हैं, जिन्होंने कामकौतुक का सुख कभी नहीं लिया। इसके बाद भी मेघदूतम् कवि की प्रौढ रचना है, तो केवल इसलिये कि इसमें भारत के समृद्ध भूगोल, समृद्ध लोक-संस्कृति और नैसर्गिक सम्पदाओं से भरे-पूरे लोकजीवन के दर्शन होते हैं। मेघदूत की मंदाक्रान्ता का सौन्दर्य ही इसमें है कि वह लोक जीवन के रस में डूबती हुई आगे बढ़ती है। वक्रपंथा उज्जयिनी के चंडीश्वर महाकाल के विवरण तो लोकरंजन के लिये हैं ही, किन्तु 'लोलापांगैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्चितोसि' में उज्जयिनी की पौरांगनाओं को अपनी जो छबि दिखाई देती है, उसकी लोक में अपनी ही प्रतिष्ठा है। यह लोकजीवन ही है, जो उज्जयिनी की एक अलग पृष्ठभूमि बनाता है।

महाकवि कालिदास का लिखा सबसे गौरवशाली महाकाव्य है-'रघुवंशम्'। वे न लिखते, तब भी वाल्मीकि की रामायण थी धरती पर,जो इक्ष्वाकुवंशी राजाओं की गौरवगाथा कहने के लिये पर्याप्त थी। वाल्मीकि ने जिस निष्ठा से,और जिस सहृदयता से रामायण महाकाव्य का सृजन किया था, वह तो बेजोड़ है। लेकिन बहुत कुछ ऐसा था, जो कालिदास लोगों को बताना चाहते थे। राम तो चर्चा में थे, पर राजा दिलीप और सुदक्षिणा के दाम्पत्य को ,नन्दिनी की सेवा को, राजा के लोकरंजक चरित्र को कालिदास के सिवा कौन पहचान पाया। नन्दिनी के पीछे –पीछे चलती हुई सुदक्षिणा वैसी ही दिखाई पड़ती है, जैसे श्रुति के पीछे स्मृति। कैसा सुंदर और लोकमंगलकारी अनुष्ठान ? कैसा त्याग और कैसा समर्पण? भारत के सम्राटों का कैसा लोकहितकारी चरित्र लिख दिया महाकवि ने। 'प्रजानां विनयाधानात् रक्षणाद्भरणादपि। स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतव:।।' यह चरमोत्कर्ष है दिलीप के चरित्र का, जो उन्हें लोकमानस में प्रतिष्ठित करता है। और रघु ? राम और दशरथ के होते हुए वंश 'रघु' के नाम से चला, तो यह काम न तो वाल्मीकि ने किया, न कालिदास ने। 'रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाई पर वचन न जाई'। लोगों ने पास से देखा है रघु को, अज को, दशरथ को, राम को और उस अग्निवर्ण को भी, जो झरोखे में से अपना एक पाँव दिखा कर अपने होने की पुष्टि करता था। रघु के जीवन में ही उनकी यशोगाथाएँ गाँव की वधुएँ कथा में पिरो कर गाती थी ईख की छाया में बैठ कर या धान के खेतों में ।

श्री अरविन्द ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'द फाउंडेशन ऑव इंडियन कल्चर' में कालिदास को लेकर लम्बी चर्चा की है। वे कालिदास को सम्पूर्ण भारतीय साहित्य में सबसे ऊपर रखते हैं, और विश्व साहित्य में मिल्टन और वर्जिल से तो बहुत ऊपर। इसका एक ही कारण श्री अरविन्द ने बताया कि कालिदास ही हैं, जिनकी लोकमानस में गहरी पैठ है। वे राजप्रासादों ने निकल कर लोगों के बीच आते हैं, और लोक-अनुराग से अपनी कविता की कड़ियाँ जोड़ते हैं। वह 'राजा प्रकृतिरञ्जनात्' का महाकाव्य है, और उससे भी आगे जा कर 'आदानं हि विसर्गाय' का महाकाव्य है। श्री अरविन्द के अनुसार रघुवंश हमारी जाति के उच्चतम संस्कारों का स्मारक है। महाकवि कालिदास की सर्वाधिक चर्चित कृति तो 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' ही है। इस कृति का फलक बहुत विस्तृत है। इस पर न जाने कितनी तरह से विचार हुआ, किन्तु अब भी यह कृति पुनर्व्याख्या की अपेक्षा रखती है। कालिदास शुरू से अंत तक लोकरुचि का ध्यान रखते हैं।रंगशाला में 'शाकुंतलम्' का मंचन देखने का चाव ही इसलिये पैदा होता है, क्योंकि यह नाटक लोकरंजन की पृष्ठभूमि लेकर आता है। सूत्रधार जब कहता है 'आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्', तो यह बात वह केवल विद्वानों के संतोष के लिये नहीं कहता है, लोगों के संतोष के लिये कहता है,क्योंकि सच्चा कवि विद्वानों में और लोक में भेद नहीं करता। उसकी दृष्टि में सभी दर्शक विद्वान् होते हैं। एक बहुत ही चर्चित उक्ति है – 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला। तत्रापि चतुर्थोंक: तत्र श्लोकचतुष्टयम्।' यह जो चार श्लोकों का रम्य होना है, इसका सीधा सम्बंध ही लोगों से है। तपोवन में रहने वाले महर्षि कण्व लोक-संवेदना में कितने गहरे उतर चुके हैं। ये चार श्लोक लोगों को क्यों प्रिय लगते हैं,क्यों रंजक लगते हैं, यह बताने की आवश्यकता कभी किसी को नहीं। %बेटी की बिदाई% का लोक में क्या मर्म है,यह कैसा भाव-विभोर कर देने वाला प्रसंग है, इसकी कितनी गहरी पकड़ करते हैं कवि कालिदास। पिता कण्व के इस उद्गार में कैसा दर्द छलक उठा है-'आज चली जायेगी शकुन्तला/यह सोच-सोच कर जी बैठा जा रहा है/इन आँसुओं को कब तक रोक कर रखूँ /गला रुंध आया, मुँह से बोल फूटते नहीं /बहते हुए आँसू और चिन्ता के मारे आँखें धुंधली पड़ गईं /मैं तो ठहरा वनवासी /गहरे दु:ख में डूब रहा हूँ जब मैं ही /तब उन बेचारे घर वालों का क्या होता होगा/जो पहले पहल बिदा करते होंगे अपनी बेटी को।'

उधर कुमारसम्भवम् की शुरुआत 'अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराज:' से होती है, लेकिन शिव का वरण करने के लिये पार्वती की अखंड तपस्या आज भी लोक में दाम्पत्य के सौभाग्य का सर्वोच्च आदर्श बनी हुई है। शिव-पार्वती के विवाह में जो लोकाचार कालिदास ने रस ले- लेकर दिखाये हैं,वह लौकिक आनंद की पराकाष्ठा है। कार्तिकेय के जन्म की कथा में जो लोक-तत्व हैं, वे कालिदास की मौलिक अभिव्यञ्जना के साथ आते हैं। कुमारसम्भव के पाँचवे सर्ग में पार्वती और ब्रह्मचारी का संवाद अत्यंत लोकरंजक है।

कालिदास के सभी भरतवाक्यों में लोकजीवन के समृद्ध होने की प्रार्थना की गूँज सुनाई देती है। 'प्रवर्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिव: सरस्वती श्रुतिमहती महीयताम्' और 'सर्वस्तरतु दुर्गाणि सर्वो भद्राणि पश्यतु।' या फिर 'संगतं श्रीसरस्वत्योर्भूतयेऽस्तु सदा सताम्।' सर्वत्र लोक कल्याण का ही भाव मुखर है। दो सहस्राब्दियाँ बीत जाने के बाद भी कालिदास का यश फैलता रहा है, तो उसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि उन्होंने हम लोगों के लिये लिखा था, हम लोगों के हृदय में उतर कर लिखा था।

Mantra of success

राजेश शर्मा
सीनियर जर्नलिस्ट - मोटिवेशनल स्पीकर

140 करोड़ भारतीयों ने सपना बुना था उसे साकार कर भारत की बेटियों ने रचा इतिहास

भारत विजय पर आसमाँ भी मुस्कुराया है, वतन की शान है बेटियाँ जमी ने गीत गाया है

भारत विजय पर आसमाँ भी मुस्कुराया है, वतन की शान है बेटियाँ जमी ने गीत गाया है। कभी भक्ति, कभी शक्ति, कभी सामर्थ्य की प्रतिमा, नारी शक्ति पर हर- मन ने तिरंगा फहराया है।

2 नवंबर की तिथि मानों एक सपने, एक सफर, एक मुकाम हासिल करने का दिन। सदियों की प्रतीक्षा के बाद आए इन स्वर्णिम पलों के पीछे अथक मेहनत- कठोर संघर्ष और निराशा के भँवर में भी आशा की किरण छुपी है। इस ऐतिहासिक जीत की सबसे बड़ी खासियत यह कि यह सिर्फ एक मैच नहीं था – यह उस लंबी राह का अंत था जिसमें कई कठिनाइयाँ थीं और जिसका हर विकेट, हर छलांग, हर ठोकर पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की हैरत अंगेज और रोचक कहानी थी ।

यह जीत 140 करोड़ हर भारतीयों की जीत है। यह जीत मिताली राज, डायना इडुलजी, झूलन गोस्वामी, संध्या अग्रवाल और अमोल मजुमदार (कोच) के अथक प्रयासों की जीत है...जिन्होंने इंडियन वुमेन्स क्रिकेट टीम को गढ़ा, बुना और जीत की बुनियाद रची।

ये वो पल है.. ये वो खुशियों के लम्हें है जिन का हर भारतीयों को इंतजार था ..- शाबास टीम इंडिया... पूरी इंडियन वुमेन्स क्रिकेट टीम पर हर भारतीयों को नाज है। 140 करोड़ भारतीयों की आज भी दीपावली है। ये वो पल है, ये वो खुशियों के लम्हें है जिन का हर भारतीयों को इंतजार था ... आज भारत की लड़कियों ने शेरनी की तरह दहाड़ते हुए दुनिया को दिखा दी इंडिया... की ताकत, ये न्यू इंडिया है, ये बिखरता नहीं बल्कि संवरता है । यही है 140 करोड़ भारतीयों की एकता की ताकत।

- यह जीत उस विश्वास की है जिसे टीम ने हर हार और चुनौती के बाद नहीं छोड़ा

- यह जीत उस अहसास की तरह है कि कभी-कभी मुकाम हमें इंतज़ार कराता है – लेकिन हमें हर पल तैयार रहना है

- यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं – हमारी उम्मीदों, सपनों की जीत है

- यह जीत हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, शेफाली वर्मा, स्नेह राणा और पूरी टीम की जीत है

- मायावी नगरी मुंबई में ही नहीं आज पूरे भारत में जश्न का माहौल है

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप का खिताब पहली बार जीता है , इस लिहाज़ से यह जीत ऐतिहासिक है।

मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी अलंकरण प्राप्त राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान की यह पंक्तियाँ प्रासंगिक हैं...

'सुंदर होती न तितली गर उसके पर नहीं होते ।
जिस घर न हो बेटी तो वे घर, घर नहीं होते ।।
बुलंदियाँ छूने का हुनर केवल बेटों का नहीं होता।
बेटियाँ के आसमाँ कभी भी कमतर नहीं होते ।।
दर्द चेहरे पे जो लिखा था वो पढ़ लिया बेटी ने।
फरिश्तों के यहाँ भी ऐसे तो मंज़र नहीं होते ।।
नज़र कमजोर जब हुई पिता का हाथ भी थामा।
बेटियों से बढ़कर कोई भी रहबर नहीं होते।'

'140 करोड़ भारतीयों ने जो सपना बुना था उसे साकार कर भारत की बेटियों ने रच दिया इतिहास'

जय हिंद...जय भारत

नेशनल हाइवे किनारे बसे गांव के किसान फोरलेन पर ही सुखा रहे मक्का व सोयाबीन

हाइवे पर किसानों का कब्जा होने से हो रहे हादसे

एस. द्विवेदी

बैतूल। बैतूल-इटारसी नेशनल हाईवे पर पाढर से केसला के बीच किसानों ने हाइवे और बायपास रोड को खलिहान बना लिया है। यहां किसान मक्के और सोयाबीन की फसल को सड़क पर फैलाकर सूखा रहे है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। ऐसा भी नहीं कि हाईवे पर किसी जिम्मेदार अफसर की नजर मक्का की ओर नहीं जाती, नजर तो पड़ती है, पर कोई गौर नहीं करता। जिससे वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। दरअसल बारिश के बाद अब मौसम खुल गया है और हल्की धूप खिल रही है। ऐसे में उपज को सूखाने के लिए किसान हाइवे किनारे या बायपास रोड पर उपज फैला रहे है। खासकर पाढर से लेकर धार बेरियर और भौंरा के समीप दांडीवाड़ा, कुंडी के आसपास हाइवे पर यह स्थिति सबसे ज्यादा देखी जा रही है। किसान सड़क पर और बायपास रोड पर मक्का-सोयाबीन फैला रहे है, ताकि उपज में मौजूद नमी खत्म किया जा सके, किन्तु किसानों की यह लापरवाही वाहन चालकों के लिए बड़े हादसे का कारण बन रही है, क्योंकि अधिकांश वाहन चालक एक साथ साइड पर ही वाहन चलाते है। ऐसे में अचानक सड़क पर मक्का-सोयाबीन के फैलाव की वजह से चालक, वाहन से नियंत्रण खो सकते है और बड़ा हादसा हो सकता है।

खेतों की जमीन गीली, इसलिए हाइवे पर बिछा रहे उपज- अभी कुछ समय पहले जिले के कई हिस्सों में बारिश हुई। जिससे खेत-खलियान की जमीन गीली हो गई थी। जमीन में अभी भी नमी बरकरार है। ऐसे में उपज को सूखाने के लिए किसान सड़क पर फैला रहे है। जब राहगीर किसानों को सडक पर आकर मक्का-सोयाबीन सहित अन्य फसल नहीं सुखाने का अनुरोध करते हैं तो किसान मौसम और संसाधन का अभाव बताकर बात को टाल जाते हैं। किसानों का कहना है कि हम तो ऐसा कई वर्षो से कर रहे है। सड़क किनारे फसल सूखाने के मामले को लेकर वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर मक्का सुखाना पूरी तरह से गलत है। लेकिन एनएचएआई के अधिकारी एवं अन्य जिम्मेदार अफसर इस पर ध्यान नहीं दे रहे है। जिसकी वजह से ऐसे किसानों के हौंसले दिनोंदिन बढ़ रहे है।

निर्देशों को दरकिनार कर सूखा रहे उपज- बताया गया कि हर साल प्रशासन के द्वारा सडक़ पर मक्का नहीं सूखाने का दिशा-निर्देश जारी किया जाता है, लेकिन फिर जैसे ही फसल का समय आता है, किसान हर बार की तरह सड़क पर ही मक्का, सोयाबीन सहित अन्य फसल सूखाने लगते हैं। सड़क पर मक्का होने के कारण सड़क काफी संकरी हो जाती है और वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बढ़ जाती है। दर्जनों बार सड़क पर मक्का फैली होने के कारण दोपहिया वाहन चालक स्लीप भी हो चुके है। सडक़ों पर बेरोकटोक मक्के की फसल को सुखाने के चक्कर में कई बार आवागमन बाधित हो जाता है, तो कई बार वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार बन जाते है। गत दिनों एक दोपहिया वाहन चालक की मक्के की उपज पर गाड़ी चढ़ जाने के कारण स्लीप हो गये थे, जिससे उन्हें गंभीर चोटे आई थी।

फसल बिखरने से बचाने रख देते है पत्थर

किसानों द्वारा हाईवे पर फसल उड़ेल दी गई। वाहनों की चपेट में आकर मक्का इधर-उधर, बिखरने के बचाने को किसान सडक़ पर ही पत्थर ईंटें रख देते है, लेकिन किसी को इस बात की चिंता नहीं कि बाइक सवार कोई भी व्यक्ति चपेट में आया तो सुरक्षित कैसे बच पाएगा। बैतूल से मुलताई हाइवे पर भी कमोवेश ऐसा ही नजारा बना हुआ है। बताते हैं कि कुछ स्थानों पर तो किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी सडक़ किनारे खड़ी कर लेते हैं, जिससे दूसरे वाहन सवार लोगों को दिक्कत बढ़ जाती है। लोगों की मानें तो हाईवे पर होकर रोजाना ही हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। पुलिस और प्रशासनिक अफसर भी सरकारी वाहनों से निकलते हैं, लेकिन लोगों पर जोखिम से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर किसी की नजर नहीं पड़ती।

इनका कहना है –

यह बहुत गलत है। मेरी जानकारी में अभी आया है। जिसके बाद मैंने अपने कंसल्टेंट को आज ही विजिट करके गलत तरीके से अपनी फसलें सूखा रहे किसानों को हटाने का कहा है। यदि वे नहीं मानते है तो फिर नोटिस देकर उन पर कार्यवाही करेंगें।

- मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

श्रीराम कथा में होगा संत समागम

5 नवंबर से शुरू होगी वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक मदनमोहन महाराज की 9 दिवसीय श्रीराम कथा

हरदा। नगर के इतिहास में पहली बार बड़ी संख्या में महामंडलेश्वर, संतों, महंतों का एकसाथ समागम होने जा रहा है। अवसर है ब्रम्हलीन मस्तरामदास जी त्यागी महाराज के हरदा तपोभूमि आश्रम का जिर्णोद्धार तथा उनकी प्रतिमा स्थापना के साथ ही चातुर्मास श्रीसीताराम जाप की पूर्णाहुति एवं ब्रम्हलीन श्री त्रिलोचनदास जी महाराज सांगानेर राजस्थान की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीराम कथा। यह भव्य भक्तिभाव पूर्ण आयोजन देश के विभिन्न क्षेत्रों के संतों की अगुवाई में 5 नवंबर से प्रारंभ होकर 13 नवंबर को श्रीराम कथा विश्राम व महाप्रसादी के साथ संपन्न होगा।? इस आयोजन का नेतृत्व करने मुख्य रूप से महामंडलेश्वर बाल योगी बालकदास जी महाराज घोल गणेश सील फाटा मुंबई, महामंडलेश्वर, श्री गोपालदास जी महाराज कोटेश्वर गुजरात, महामंडलेश्वर श्री सीताराम दास जी महाराज मोहनपुर, महामंडलेश्वर श्री अवधूत जी महाराज चिलोगाधाम भिण्ड, संत श्री अशोक दास जी महाराज धनपाड़ा, संत श्री प्रकाश दास जी महाराज मोनी बाबा जोगनी माता हिमाचल प्रदेश, संत श्री प्रेमदास जी महाराज नर्मदापुरम, संत श्री रघुवरदास जी महाराज कागभुशुण्डि आश्रम काशी उत्तर प्रदेश, संत श्री रघुराम दास जी महाराज बीना, संत श्री सियाराम दास जी महाराज मिट्ठू वाले बाबा हंडिया , संत श्री रामसेवक दास जी महाराज चिड़ावा राजस्थान, संत श्री विजय रामदास महाराज शमशाबाद, संत श्री मोहनदास जी महाराज रांची झारखंड, संत श्री अनुराग दास जी महाराज जहांगीर पुरी दिल्ली, संत श्री राम सुमिरन दास जी महाराज छिदगांव मेल, संत श्री रामस्वरूप दास जी महाराज हंडिया, संत श्री अनुज दास जी महाराज श्री अंबा माता पीठाधीश्वर ऊंवा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले संत महात्माओं एवं मस्तरामदास जी त्यागी महाराज के अनुयायियों द्वारा किया जाएगा। आयोजन का मुख्य केन्द्र बिन्दु जहां वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक श्री मदनमोहन जी महाराज श्री व्यास जी के मुखारविंद से 5 नवंबर से 13 नवंबर तक सुनाई जाने वाली श्रीराम कथा होगी तो वहीं इस अवसर पर संभवत हरदा में पहली बार साधु-संतों की पेशवाई भी निकल सकती हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र हो सकती हैं। इतनी तादाद में एक साथ विभिन्न स्थानों के सिद्ध संतों के दिव्य दर्शन का सौभाग्य केवल कुंभ और सिंहस्थ जैसे महा आयोजनों में ही देखने को मिलता है। उल्लेखनीय है कि श्रीराम कथा का आयोजन स्थानीय कच्छकड़वा पाटीदार भवन में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम पांच बजे तक रहेगा। वहीं रात्रि को आठ बजे से क्षेत्रीय भजन मंडलियों द्वारा मनभावन भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजक श्रद्धालुओं ने सभी धर्मप्रेमी जनता से इस आयोजन में शामिल होने तथा इसे सफल बनाने की अपील की है।

विशेष अभियान चलाकर तीन दिन में होगा फसल नुकसानी का पुन: सर्वे

सभी प्रभावित किसानों का बीमा कंपनी में इंटीमेशन दर्ज कराएं, केंद्रीय मंत्री और विधायकों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित

बैतूल। दीपावाली के पश्चात हुई बारिश के बाद जिले में हुई भारी फसल नुकसानी पर विधायक बैतूल एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खंडेलवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए पुनः सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चूंकि एक सर्वे पहले हो चुका हैं, जिसमें ऐसे कई किसान छूट गए हैं, जिनकी फसल हालही में हुई बारिश के कारण खराब हुई है। ऐसे सभी किसानों का सर्वे किया जाएं, ताकि कोई भी प्रभावित किसान आर्थिक सहायता से वंचित न रहे। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में फसल नुकसानी, खाद वितरण और मंडी व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य दुर्गादास उईके, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक भैंसदेही महेंद्र सिंह चौहान तथा कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सहित कृषि विभाग, सहकारिता एवं मंडी के अधिकारी उपस्थित रहें। विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके वर्चुअली बैठक में शामिल हुई। केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि किसानों के फसल सर्वे ओर बीमा कंपनी के इंटीमेशन का कार्य पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से पूर्ण किया जाएं। समस्त संबंधी विभाग अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सर्वे पूर्ण कराएं। सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

विशेष अभियान चलाकर तीन दिनों में सर्वे पूर्ण कराये- विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि जिले में ग्राम पंचायत स्तर तक विशेष अभियान चलाकर आगामी तीन दिनों में सर्वे कार्य पूर्ण कराएं और किसानों को आर्थिक सहायता दी जाएं। उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि फसल बीमा क्लेम की राशि से भी कोई बीमित किसान वंचित न रहें। जिले में सवा लाख से अधिक किसान बीमित है, सभी किसानों का इंटीमेशन (शिकायत) दर्ज कराए हैं। जोकि सभी के लिए चिंता की बात हैं। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि कृषि, जनपद और राजस्व का अमला अपने क्षेत्र में फील्ड विजिट करें और सभी प्रभावित किसानों से संपर्क कर उनका बीमा कंपनी के पोर्टल पर तीन दिन के अंदर इंटीमेशन दर्ज कराए। इसी प्रकार रेवेन्यू के अमला भी फील्ड में जाकर पुनः सर्वे करें।

आदिवासी छात्रा से गैंगरेप के आरोपियों को फांसी दो

मकानों पर चलाओ बुलडोजर, गोंगपा ने सौंपा ज्ञापन

आमला। आमला थाना क्षेत्र की कक्षा 9वीं में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुराचार की घटना के बाद आदिवासी समाज और पूरे शहर में व्याप्त आक्रोश व्याप्त है। इस घटना को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी शैलेंद्र बड़ोनिया के माध्यम से राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घटना के तीनों आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दिए जाने की मांग की गई है। गोंगपा ने ज्ञापन में प्रशासन से एक और बड़ी मांग की है। पार्टी ने कहा है कि ऐसे घिनौने अपराध करने वाले आरोपियों के मकानों पर तत्काल बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त करने की कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि समाज में कड़ा संदेश जाए। पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि छात्रा का अपहरण कर तीन आरोपियों ने सामूहिक दुराचार किया, जिससे आदिवासी समाज में आक्रोश है और वे आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि पीड़ित परिवार को पुलिस प्रशासन द्वारा तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए। इसके साथ ही उन्हें राहत राशि भी उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन सौंपते समय चिंतुलल उइके जिला अध्यक्ष, पिंकेश धुर्वे युवा मोर्चा अध्यक्ष, राजेश वट्टी, अर्जुन उइके, शिवदिन इवने, श्यामराव टेकाम, श्याम उइके सहित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने आरोपियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पूर्ण गणवेश व अनुशासन के साथ निकला बाल स्वयं सेवकों का पथ संचलन

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर धार में दूसरा भव्य पथ संचलन निकला। इसमें बाल स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इससे पहले संघ का पहला संचलन निकल चुका है। दूसरे संचलन में हजारों बालक एक जैसी वेशभूषा में अनुशासन के साथ आगे बढ़े। पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल बन गया और शहर भारत माता की जय के नारों से गूंजा। इस दिन धार देशभक्ति के रंग में रंगा रहा। ये सिर्फ एक संचलन नहीं, बल्कि ऐसा दृश्य था जिसने हर किसी के दिल में देशप्रेम की लहर जगा दी। हजारों स्वयंसेवक एक जैसी वेशभूषा में कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। घोष की गूंजती धुनों ने माहौल को और भी जोश से भर दिया।

संचलन कई वाहिनी में बंटा हुआ था, लेकिन सभी वाहिनी एक समान अनुशासन में आगे बढ़ती नजर आई। यहां किला ग्राउंड पर मुख्य वक्ता के रुप में विभाग बाल कार्य प्रमुख शैलेंद्र शांडिल्य, अतिथि गिरीश बिडकर, नगर कार्यवाह गोपाल डोड सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता शांडिल्य ने बाल स्वयंसेवकों से कहा कि छत्रपति शिवाजी ने छोटी उम्र में ही अपनी माता को विश्वास दिलाया था कि मुग़लों से भारत को मुक्त कराऊंगां। आने वाले भारत का गौरव ही बाल स्वयंसेवकों के हाथ में ही है। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना के बाद संघ ने बच्चों की शाखा प्रारंभ की। संघ के 100 वर्ष हो गए हैं। बाल स्वयंसेवक ही भारत का भविष्य है।

फूलों से सजी सड़कें, रंगोली और तालियों से स्वागत बाल सेवकों का हुआ स्वागत

रंगोली और आरती उतारते हुई माताएं-बहने सहित संपूर्ण हिंदू समाज ने बाल स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संघ की स्थापना 1925 में डा. केशवराव हेडगेवार ने की थी। अब 100 साल पूरे होने पर धार में हुआ, ये आयोजन ऐतिहासिक बन गया। शहरभर के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों और धार्मिक समितियों ने स्वयंसेवकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कहीं रंगोली बनाई गई, कहीं फूलों की वर्षा हुई, तो कहीं तालियों से अभिवादन किया गया। पूरा शहर मानो फूलों से सज गया।

2000 से अधिक बाल स्वयंसेवक हुए शामिल

धार की 14 बस्तियों और 136 मोहल्लों से करीब 2000 स्वयंसेवक इस संचलन में शामिल हुए। यात्रा प्रमुख मार्गों से होकर वापस किला मैदान पर समाप्त हुई। हर जगह लोगों ने गर्व से स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संचलन के दौरान सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग छतों से फूल बरसाते नजर आए, बच्चे भारत माता के जयघोष लगाते रहे। घोषवादकों की धुनों ने माहौल में जोश भर दिया। जब 'श्रीराम' और 'शिवरंजनी' जैसे राग बजे, तो पूरा शहर उस धुन में खो गया। स्वयंसेवकों का अनुशासन और तालमेल हर किसी के लिए प्रेरणादायक रहा।

खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं: प्रभारी मंत्री श्री पंवार

मण्डीदीप में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय नेटवाल/बाल बेडमिंटन खेल प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ

रायसेन(निप्र)। रायसेन जिले में मण्डीदीप स्थित चावरा विद्या भवन में आयोजित कार्यक्रम में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय नेटवाल/बाल बेडमिंटन खेल प्रतियोगिता-2025 का मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा द्वारा शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि खेलकूद से हमारा शरीर स्वस्थ्य रहता है, मानसिक और शारीरिक विकास तेजी से होता है।

युवाओं के प्रेरक स्वामी विवेकानंद जी ने जीवन में खेल को अनिवार्य बताया है। खेल के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ्य रखने के साथ ही अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर भी मिलता है। जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं। खेल भावना से खेला गया हर खेल सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। हमारे यहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही दिशा और अवसर देने की। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवाओं को संघर्ष, संयम और समर्पण की भावना सिखाता है। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि हमारे प्रशिक्षक बच्चों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारते हैं और यही बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रौशन करेंगे। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नए-नए खेल मैदानों के निर्माणों के साथ ही खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति, निःशुल्क प्रशिक्षण सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें पारम्परिक खेलों को भूलना नहीं है, जो मूल खेल हैं उन्हें आगे बढ़ाना है। सांसद खेल प्रतियोगिता में पारम्परिक खेलों को आगे बढ़ाया जा रहा है। विदिशा संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मण्डीदीप, औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विख्यात है।

हमारा प्रयास है कि मण्डीदीप, औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही खिलाड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध हो, यहां के खिलाड़ी देश-प्रदेश में मण्डीदीप का, जिले का नाम रौशन करें। उन्होंने सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि आज यहां पांच दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हो रहा है जिसमें सागर, उज्जैन, रीवा, नर्मदापुरम आदि संभागों से खिलाड़ी यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि मण्डीदीप तथा औबेदुल्लागंज क्षेत्र के हॉकी और बेसवाल खेल के खिलाड़ी नेशनल और इंटरनेशनल लेवल तक जा रहे हैं। अभी मण्डीदीप से 40 हॉकी खिलाड़ी प्रतियोगिता के लिए गए थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के पहले प्रदेश सरकार का खेल बजट 70 करोड़ रू के आसपास होता था लेकिन आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में खेल विभाग का बजट 671 करोड़ रू का है। विधायक श्री पटवा ने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। जीवन के हर पल में चाहे खेल हो या शिक्षा, सकारात्मक सोच हमेशा आवश्यक है। जब कोई खेल प्रतियोगिता होती है तो एक टीम जीतती है और एक हारती है। जब हारते हैं तो एक दृढ़ निश्चय करके जीतने के लिए तैयार होते हैं और जब जीतते हैं तो हौंसले के साथ, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। कार्यक्रम में मण्डीदीप नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे, सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल सहित श्री राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय शालेय नेटवाल/बाल बेडमिंटन खेल प्रतियोगिता-2025 के शुभारंभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह-निकाह योजना से सजी दो बेटियों की नई जिंदगी

विदिशा(निप्र)। गंजबासौदा के मजदूर लक्ष्मीनारायण पाल के परिवार में आज खुशियों का माहौल है। परिवार की दो बेटियों कृ जयंती पाल और शिवानी पाल कृ का विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह-निकाह योजना के अंतर्गत विधिवत सम्पन्न हुआ। दिव्यांग बिटिया जयंती पाल का विवाह रेवाराम से तथा दूसरी पुत्री शिवानी पाल का विवाह सतीश पाल से आज विदिशा के रामलीला मैदान में मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री जी की इस जनकल्याणकारी योजना ने लक्ष्मीनारायण जैसे श्रमिक परिवार के लिए दोहरी खुशी लेकर आई। जहाँ एक ओर आर्थिक स्थिति विवाह में बाधा बन रही थी, वहीं इस योजना ने उनकी बेटियों के हाथ पीले करने का सपना साकार कर दिया। विवाह समारोह में विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद व उपहार भेंट किए। मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह-निकाह योजना ने सचमुच पाल परिवार के जीवन में खुशियों की नई सुबह ला दी दृष्टिबाधित दिव्यांग जयंती पाल ने तो विवाह के दौरान ही मिडिया बंधुओं से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है उन्होंने बताया कि बीए बीए सेकंड ईयर में अध्यनरत हूं। शासन की अनेक योजनाओं का लाभ मुझे व परिवार को मिल रहा है ।यह कहानी इस बात का प्रतीक है कि सरकार की योजनाएँ जब जरूरतमंदों तक पहुँचती हैं, तो उनके जीवन में उम्मीद और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिखती हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत सीईओ ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों, योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने मनरेगा, 15 वां वित्त आयोग सहित प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मनरेगा की एक बगिया मां के नाम योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए और पौधारोण को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पिपरिया विधायक की अनुशंसा पर 04 निर्माण कार्यो के लिए 09 लाख 60 हजार 256 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। विधायक पिपरिया की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा विधायक निधि से 04 निर्माण कार्यों के लिए 09 लाख 60 हजार 256 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय नर्मदापुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक पिपरिया, श्री ठाकुर दास नागवंशी की अनुशंसा पर ज.पं. पिपरिया की ग्राम पंचायत गाडाघाट के ग्राम गाडाघाट में (रोड किनारे मुख्य मार्ग पर) यात्री प्रतीक्षालय (मॉडल-4) निर्माण के लिए 02 लाख 40 हजार 64 रूपये, ज.पं. पिपरिया की ग्राम पंचायत उटियाकिशोर के ग्राम खपरिया किशोर में (गांव में अंदर जाने वाले मार्ग पर इमली के पास) यात्री प्रतीक्षालय (मॉडल-4) निर्माण के लिए 02 लाख 40 हजार 64 रूपये, ज.पं. पिपरिया की ग्राम पंचायत सुरेलाकलां के ग्राम पौडी में सामुदायिक भवन के पास यात्री प्रतीक्षालय (मॉडल-4) निर्माण के लिए 02 लाख 40 हजार 64 रूपये तथा ज.पं. बनखेडी की ग्राम पंचायत परसवाडा (नां) के परसवाडझ में तिगड्डा (तीनों ग्राम परसवाडा नांदना एवं बहरावन) मछेराकलां रोड पर यात्री प्रतीक्षालय (मॉडल-4) निर्माण के लिए 02 लाख 40 हजार 64 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता दौड़ का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वें जन्मोत्सव पर जिले में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। विदिशा के एसएटीआई से शुरू हुई दौड़ को विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, पुलिस महानिरीक्षक श्री अभय सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ जिला खेल स्टेडियम परिसर में संपन्न हुई। दौड़ प्रारंभ होने के पहले सभी सहभागियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। शपथ का वाचन विधायक श्री मुकेश टंडन ने किया जिसे अन्य सभी ने दोहराया है।

अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अंतर्गत जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे, डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला तथा सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल भी उपस्थित रहे। बैठक में माह सितम्बर 2025 से माह अक्टूबर 2025 में प्राप्त एवं निराकृत प्रकरणों तथा इसी अवधि में थानों में दर्ज प्रकरणों, माननीय न्यायालय को प्रस्तुत चालान और विवेचना में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस का आयोजन हुआ विधायक श्री टण्डन ने ध्वजारोहण किया

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस समारोह के तहत आज विदिशा जिला मुख्यालय पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने ध्वजारोहण कर उपलब्ध्यिों पर आधारित जानकारियां संदेश वाचन के माध्यम से अभिव्यक्त की है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने भी अतिथि के साथ-साथ तिरंगे झंडे को सलामी दी है। पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय गान और मध्यप्रदेश गान से हुई इस अवसर पर ओलम्पस हाई स्कूल, शासकीय कन्या एमएलबी, ट्रिनीटी कान्वेंट के स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् से हुआ।

उत्पादकों का अवलोकन

पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादन समाग्रियों तथा कृषि विभाग, उद्योग और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को रेखांकित करने वाले उत्पादो का प्रदर्शन किया गया था। जिसे अतिथियों सहित अन्य के द्वारा खूब सराहा गया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे के साथ-साथ अन्य विभागो के अधिकारी, गणमान्य नागरिक, मीडियाकर्मी मौजूद रहें।

अवैध एवं स्कूल वाहनों पर कार्रवाई, 19 वाहन नियम विरुद्ध पाए गए

विदिशा(निप्र)। जिले में अवैध वाहनों तथा स्कूल वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।आज संपन्न हुई कार्रवाई की जानकारी देते हुए जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा ने बताया कि गया। आज गुलाबगंज एवं गंजबासोदा क्षेत्र में वाहनों की जांच की गई।जांच के दौरान 19वाहन नियम विरुद्ध संचालित पाए गए, जिनमें से 09 वाहनों से 74 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। शेष 10 वाहनों को निराकरण की प्रतीक्षा में जप्त कर 05 वाहन थाना गुलाबगंज एवं 05 वाहन थाना गंजबासौदा में सुरक्षार्थ रखे गए। कार्यवाही के दौरान यात्री वाहनों एवं स्कूल बसों में अग्नि सुरक्षा सहित अन्य सुरक्षा मानकों की विशेष जांच की गई।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास में आदिम जाति कल्याण विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं अधिकारों की जानकारी दी गई। श्री अरविंद मिश्रा ने सुरक्षा और आत्मविश्वास पर उपयोगी सुझाव दिए। छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव ने बालिकाओं को शिक्षा और अनुशासन के माध्यम से सशक्त बनने का संदेश दिया। बालिकाओं ने राज्य गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का गरिमामय आयोजन

विदिशा(निप्र)। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में आज मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। महाविद्यालय भवन को आकर्षक रोशनी से सजाया गया तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स की परेड से हुई, जिन्होंने प्राचार्य डॉ बी.डी. अहिरवार को सैल्यूट किया। तत्पश्चात प्राचार्य ने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को राज्य एवं राष्ट्रहित की शपथ दिलाई और सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ मध्यप्रदेश गान से हुआ, जिसके पश्चात छात्राओं ने गीत और नृत्य प्रस्तुत कर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक छवि को जीवंत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है, जहाँ विविधता में एकता की भावना रची-बसी है। प्राचार्य डॉ बी.डी. अहिरवार ने अपने वक्तव्य में प्रदेश के ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर राज्य व राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना रखने का आह्वान किया। पूर्व प्राचार्य डॉ नीता पांडेय ने छात्राओं से अन्य प्रदेशों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ एन.पी. अरोड़ा ने किया, संचालन डॉ विनिता प्रजापति ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मुरारी नंदन मिश्र ने किया।

कार्यक्रम में डॉ मलखान सिंह,डॉ संध्या जैन, प्रो नीता दीक्षित, प्रो किरण जैन, डॉ राजुला अलबर्ट, प्रो सुमन सोनी, डॉ रामू विश्वकर्मा, प्रो रवि रंजन, प्रो राम आशीष यादव सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राओं की सक्रिय उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना तहत 27 जोड़ो का विवाह व 12 का निकाह हुआ

विदिशा(निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत जिला मुख्यालय पर एक नवम्बर को सामूहिक विवाह, निकाह कार्यक्रम का आयोजन श्री रामलीला मेला प्रागंण में किया गया था। योजना के तहत पंजीकृत चालीस जोड़ो में से 39 जोड़े उपस्थित हुए है जिसमें से 27 जोड़ो का विधि विधानुसार विवाह हुआ और 12 जोड़ो का निकाह मौलवी के द्वारा कराया गया है। नव दम्पतियों को विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ व सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री पंकज जैन समेत गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं अभिव्यक्त करते हुए उपहार भेंट किए है जिसमें सभी नवदम्पति जोड़ो को सचिव संगठन की और से दीवार घडी और रोजगार सहायक संगठन की और से टिफिन बाक्स भेंट किए गए है।

नटेरन में बीएलओ एवं पटवारियों को प्रशिक्षण दिया गया

विदिशा(निप्र)। नटेरन में आज निर्वाचन कार्यों की तैयारी के तहत बीएलओ एवं पटवारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्वाचन से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ एवं पटवारियों को मतदाता सूची संशोधन, फॉर्म भरने की प्रक्रिया, सत्यापन कार्य एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर राजस्व मंत्री ने किया ध्वजारोहण

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने ध्वजारोहण किया। समारोह में अनेक स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि एक नवंबर को मध्यप्रदेश अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1956 को गठित यह राज्य न केवल भारत के हृदय में स्थित है, बल्कि देश के विकास मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की यह 70 वर्षो की यात्रा समर्पण, संकल्प और सतत विकास की सुखद यात्रा रही है। यह दिन हमें हमारे पूर्वजों की मेहनत, उनके जज्बे, जनभागीदारी से विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी एवं हम सभी की आस्था और निष्ठा की याद दिलाता है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इन वर्षों में प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले ने भी कई क्षेत्रों में प्रगति के नये आयाम स्थापित किये हैं। प्रदेश के साथ ही जिले में विकास, जनकल्याण और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों का साक्षी रहा है। प्रशासनिक दक्षता, जनभागीदारी और नवाचार की भावना के साथ जिले ने शासन की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में न केवल जिले के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं, बल्कि सीहोर को प्रदेश के अग्रणी जिलों में स्थान दिला रही हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बालिकाओं के दल को दस-दस हजार रूपये तथा गीत प्रस्तुति के लिये बालक अगस्त गुप्ता को पांच हजार रूपये पुरस्कार के रूप में देने की घोषणा की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति : मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर ब्लू वर्ल्ड स्कूल द्वारा लोकगीत, सांदीपनि विद्यालय द्वारा लोक नृत्य तथा कन्या परिसर की छात्राओं के दल द्वारा जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरने वाला समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में संगीतिका संगीत महाविद्यालय के दल द्वारा मध्यप्रदेश गान एवं सेंट ऐन्स स्कूल के छात्र अगस्त गुप्ता द्वारा देशभक्ति एवं एकता पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर तथा मंत्रमुग्ध कर दिया । राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने लोकतंत्र / स्वतंत्रता सेनानी के परिजन श्रीमती कस्तूरी बाई तथा सीता बाई का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, खाद्य एवं प्रसंस्करण, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, शिक्षा तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत द्वारा स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई।

कार्यक्रम में यह थे उपस्थित

विधायक श्री सुदेश राय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेन्द्र मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस विकास राठौर, सीहोर जनपद अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई, कलेक्टर श्री बालागुरू के, एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना सिंह, डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल, अपर कलेक्टर श्री वृन्दावन सिंह, एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, सन्नी गौरव महाजन, सुदीप प्रजापति सहित अनेक जनप्रतिनिधी एवं अधिकारी कर्मचारी, छात्र–छात्राएं तथा नागरिक उपस्थित रहे।

किसानों से धोखा-भाजपा सरकार ने गेहूं-धान खरीदी से हाथ खड़े किए : पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा गेहूं एवं धान की सरकारी खरीदी से पल्ला झाड़ने के निर्णय को किसानों के साथ खुला धोखा और आर्थिक शोषण की नीति बताया है। श्री पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर स्पष्ट कर दिया है कि अब राज्य सरकार गेहूं और धान की खरीदी नहीं करेगी, बल्कि इसकी जिम्मेदारी एफसीआई (भारतीय खाद्य निगम) पर डाल दी जाएगी। यह कदम सीधे तौर पर किसानों के हितों पर प्रहार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब एफसीआई खरीदी करेगा तो गुणवत्ता मानक के नाम पर लाखों क्विंटल गेहूं और धान रिजेक्ट कर दिया जाएगा। किसानों को मजबूर होकर अपनी मेहनत की फसल औने-पौने दामों पर निजी व्यापारियों और दलालों को बेचना पड़ेगा। इससे किसानों को भारी घाटा होगा और उनकी गाढ़ी कमाई फिर से लुट जाएगी। श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार हर बार किसानों से झूठे वादे करती है – कभी बोनस के नाम पर, कभी समर्थन मूल्य पर, तो कभी खरीदी केंद्रों की अव्यवस्था के नाम पर। अब तो सरकार ने पूरी तरह से खरीदी व्यवस्था से ही मुंह मोड़ लिया है, जो यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार किसानों की नहीं, पूंजीपतियों की सरकार बन चुकी है।उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की कि इस निर्णय को तत्काल वापस लिया जाए और पूर्व की तरह राज्य सरकार द्वारा ही गेहूं एवं धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उचित दाम और संरक्षण मिल सके।

खाद लेने की मारामारी, किसानों ने किया पथराव, खिड़की-दरवाजे तोड़े

● **अशोकनगर में किसान के बेहोश होने पर हंगामा, खाद का टोकन छीनने की कोशिश**

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर में खाद का टोकन लेने के लिए लाइन में खड़ा किसान बेहोश होकर गिर गया। उसे इलाज के लिए

अस्पताल पहुंचाया गया। इससे गुस्साए किसानों ने जमकर हंगामा किया। ऑफिस में तोड़फोड़ कर दी। गेट और खिड़कियों पर पत्थर फेंके। लातें मारीं। हंगामे के दौरान एक और किसान बेहोश हो गया। उसे भी अस्पताल पहुंचाया गया। इसी दौरान टोकन का बंडल छीनने की कोशिश भी की गई। घटना सोमवार को पुरानी कृषि उपज मंडी की है। इसका वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस ने संभाली स्थिति – हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान, तहसीलदार भारतेंदु यादव, नायब तहसीलदार शंभू मीना और कृषि उपसंचालक अमित सिंह भदौरिया भी आए। किसानों से बात की। समझाइश के बाद हंगामा शांत किया जा सका। बाद में पार्क के दोनों गेट से टोकन बांटने का काम दोबारा शुरू किया गया। किसानों को 24 नवंबर तक डीएपी खाद लेने के लिए टोकन दिए गए।

मुख्यमंत्री से यूपी सरकार के मंत्री गुप्ता ने की सौजन्य भेंट

● **मप्र में औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर हुई चर्चा**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उत्तरप्रदेश सरकार में औद्योगिक विकास, निर्यात संवर्धन, एनआरआई और निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्री (उ.प्र.) श्री गुप्ता सहित मध्यप्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास से जुड़े

विभिन्न प्रस्तावों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को उत्तरप्रदेश सरकार की औद्योगिक विकास से जुड़े कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण नीति का अध्ययन करने और मध्यप्रदेश में भी उसका अनुपालन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश के उद्योग मंत्री श्री गुप्ता को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गई 18 प्रकार की नई औद्योगिक नीतियों की प्रतियां भी भेंट की। बैठक में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की क्रांति गौड़ को 1 करोड़ रुपए देगी एमपी सरकार

सीएम ने भोपाल में की घोषणा, कहा- छतरपुर की बेटी ने मान बढ़ाया

भोपाल (नप्र)। विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की क्रांति गौड़ को एमपी सरकार एक करोड़ रुपए देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा- प्रदेश की बेटियों और देश की बेटियों ने जिस तरह से भारत और दक्षिण अफ्रीका के फाइनल में धूम मचाई है, उसके लिए मैं सबको बधाई देता हूं। छतरपुर की बेटी ने मान बढ़ाया है। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खेलों में एमपी के युवा खिलाड़ियों की भूमिका इसी तरह से रहेगी। भविष्य में भी राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रहेगी।

दो कमरे के सरकारी मकान में रहता है परिवार –क्रांति के पिता मुन्ना सिंह पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। साल 2011 से सस्पेंड चल रहे हैं। उनका खुद का कोई मकान नहीं है, न ही खेती की जमीन है। क्रांति का परिवार घुवारा गांव की पुलिस चौकी के सामने दो कमरे के पुलिस क्वार्टर में रहता है। परिवार में मां नीलम और 5 भाई-बहनें हैं। क्रांति घर में सबसे छोटी हैं।

क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने में भाई ने की मदद – क्रांति ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। कई बार ऐसे हालात तक बने कि घर में खाने को नहीं होता था। बड़ा भाई मयंक दिल्ली की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करने लगा। इसके बाद घर के हालात थोड़ा सामान्य हुए। क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने, किट के लेकर तमाम छोटी-मोटी जरूरतों को भाई ने ही पूरा किया। यही नहीं, क्रांति के करियर के लिए उनकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए।

आठ साल की उम्र से खेल रहीं क्रिकेट –क्रांति के घर के सामने एक मैदान है, जहां उन्होंने अपने गांव के लड़कों के साथ आठ साल की उम्र से ही टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलना शुरू किया था। घर के सामने मैदान में अभी भी एक सीमेंटेड पिच बनी हुई है। बिजली के खंभे का एक टूटा हिस्सा स्टम्प बना हुआ है।

गांव में हर चौके-छक्के और विकेट पर आतिशबाजी – क्रांति के घर के सामने एक छोटी एलईडी टीवी लगाकर परिजनों और पड़ोसियों ने पूरा मैच देखा। इंडिया टीम की बैटिंग के दौरान हर चौके-छक्के पर और बॉलिंग के दौरान हर विकेट पर आतिशबाजी की गई। ग्रामीणों ने नाच गाकर पूरे उत्साह के साथ मैच का आनंद लिया।

क्रांति ने कहा- हमने जो सपना देखा, वो बहुत जल्द पूरा हुआ –गांव वालों ने मैच खत्म होने के 10 ओवर पहले से ही टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया था। रात 12.40 बजे जीत के बाद पूरा गांव भारत माता की जय और चक दे इंडिया के नारों से गूंज उठा। क्रांति के परिजनों और गांव वालों ने रात भर जीत का जश्न मनाया। सुबह क्रांति ने मां और परिजनों से वीडियो कॉल पर बात की। परिजनों ने उन्हें जीत की बधाई दी। क्रांति ने कहा कि हमने जो सपना देखा था, वो बहुत जल्द पूरा हो गया।

सागर का खिलाड़ी बीमार पड़ा तो क्रांति को मिला मौका, मैन ऑफ द मैच बनीं – जिन लड़कों के साथ क्रांति ने क्रिकेट खेलना शुरू किया। क्रांति ने 9वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। क्रांति के पड़ोसी कांस्टेबल फूल सिंह ने कहा- यहां गांव में लड़कियां क्रिकेट नहीं खेलती हैं, लेकिन क्रांति ने 8 साल की उम्र से ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। हम पुलिस वाले और गांव के कुछ लड़के यहीं घर के सामने मैदान में क्रिकेट खेला करते थे।साल 2011- 12 की बात है। एक दिन क्रांति हमारे पास आईं और बोली- मुझे भी क्रिकेट खेलना है। उसे साथ खिलाया। वो हर दिन सुबह-शाम टेनिस बॉल से इसी ग्राउंड पर क्रिकेट खेलने लगी। इसके बाद वो लोकल टूर्नामेंट में लड़कों के साथ खेलने लगी।

साल 2017 के आखिर में हमारे यहां नगर पंचायत अध्यक्ष रहे स्वर्गीय राजबहादुर सिंह की याद में एक टूर्नामेंट हुआ। आस पास के जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया था। क्रांति भी मैच देखने जाती थी। एक मैच में सागर जिले की टीम का एक खिलाड़ी बीमार पड़ गया तो उन्होंने क्रांति को अपनी तरफ से मैच खिलाया।

पूरे टूर्नामेंट में 26 रन बनाए और 20 विकेट लिए थे –ये पहला मौका था, जब क्रांति ने लेदर बॉल से लड़कों के टूर्नामेंट में खेला था। इस मैच में क्रांति ने 26 रन बनाए थे और 20 विकेट लिए थे। वो मैन ऑफ द मैच बनी थी। ये मैच देखने दूर-दूर से लोग आए थे। इन्हीं लोगों में छतरपुर से एक क्रिकेट कोच भी आए हुए थे। वो क्रांति के खेल से प्रभावित हुए। उन्होंने क्रांति को छतरपुर में उनकी अकादमी में क्रिकेट कोचिंग करने को कहा। साल 2018 से क्रांति ने छतरपुर के क्रिकेट की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी। इसके बाद उसने डिविजनल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। क्रांति शुरुआत से ही इंडिया टीम का हिस्सा बनना चाहती थी। वो अकेली लड़की होने के बावजूद दूर दूर के गांव में लड़कों के साथ मैच खेलने चली जय करती थीं। कई आस पड़ोस के लोग परिजनों से उसे क्रिकेट का खेलने देने की बात कहते थे, लेकिन उसके परिवार ने हमेशा उसका सपोर्ट किया।

बकाया बिजली बिल पर सरचार्ज राशि में छूट दी जाएगी – मुख्यमंत्री ने बताया कि समाधान योजना से उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल जमा कराने में राहत मिलेगी। योजना के तहत घरेलू, गैर-घरेलू, कृषि और औद्योगिक श्रेणी (शासकीय कनेक्शन को छोड़कर) के उपभोक्ताओं को तीन माह या उससे अधिक के बकाया बिल पर सरचार्ज राशि में छूट दी जाएगी। उपभोक्ता बकाया राशि को एकमुश्त या छह किस्तों में चुका सकते हैं। योजना में सरचार्ज पर अधिकतम छूट एक करोड़ रुपए तक दी जा सकती है।

प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग और आयुर्वेद आज वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित हो रहे हैं : तोमर

आयुर्वेद पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए विधानसभा अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर सोमवार को राजधानी में रानी दुलैया स्मृति आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा आयोजित ' डिजीटल युग के लिए आयुर्वेदः एकीकरण, नवाचार और वैश्विक प्रसंगिता' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज किए गए प्रयासों के फलस्वरूप योग एवं आयुर्वेद जैसी हमारी प्राचीन विधा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त हो रही है।

कार्यक्रम में आरोग्य भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री डॉ. अशोक वार्ष्णेय, पद्मश्री डॉ. इंद्रमनु आबा, जर्मनी की सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. स्टेफेनिया लॉर्नेज, डॉ. नितिन अग्रवाल, महाविद्यालय के संचालक श्री हेमंत सिंह चौहान के साथ ही गणमान्यजन, वरिष्ठ चिकित्सक एवं छात्र उपस्थित थे।

अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय संस्कृति और हमारे जीवन में स्वाभाविक रूप से रचा बसा है। लेकिन कई बार समय के बदलाव में हम अपनी मूल्यवान क्षमता को भूलने लगते हैं और नए विचारों को अपनाने लगते हैं। इससे आकृति तो बनती नहीं है लेकिन विकृति बढ़ने लगती है।

श्री तोमर ने कहा कि आयुर्वेद को जितना सम्मान और स्थान मिलना चाहिए था उसके लिए पूर्व में अपेक्षित कार्य नहीं किया गया और आयुर्वेद को हमारे यहां चिकित्सा पद्धति में दूसरे स्थान पर रखा गया। लेकिन वर्तमान में भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा गंभीरता से ध्यान दिया गया है और इसके प्रचार प्रसार की दिशा में भी कार्य किया गया है। यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार आयुर्वेद के उत्थान की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री जी हमेशा कहते हैं कि हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए, और इसी लिए उनके प्रयासों से आज आयुर्वेद भारत ही नहीं दुनिया में अपना स्थान बना रही है। एक समय था जब आयुर्वेद को कमजोर वर्ग की चिकित्सा पद्धति समझा जाता था, वहीं आज योग के साथ ही आयुर्वेद को भी वैश्विक सम्मान मिल रहा है। नई दिल्ली में स्थापित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान अपने आप में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भी आरोग्य भारती के माध्यम से आयुर्वेद के विकास एवं उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। भारत सरकार द्वारा आयुर्वेद को भी डिजिटल प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी नवीनतक तकनीकियों से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग सिर्फ बीमार होने पर उपचार के लिए ही नहीं है। बल्कि ये बीमारियां न हों इसके लिए भी एक सुरक्षा कवच प्रदान करती हैं, इसलिए हमें आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को अपनी जीवन शैली में अवश्य जोड़ना चाहिए।

टीबी उन्मूलन में हर व्यक्ति की हो सहभागिता : राज्यपाल

● **देश, प्रदेश सबके साथ और प्रयास से होगा टी.बी. मुक्त**

● **राज्यपाल ने किया 76वें टी.बी. सील अभियान का शुभारंभ**

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि टी.बी. उन्मूलन के लिए सबसे कारगर उपाय जागरूकता है। हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि टी.बी. जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनें और टी.बी. उन्मूलन में सक्रिय सहभागिता करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबके प्रयास से टी.बी. मुक्त भारत अभियान सफल होगा। देश और प्रदेश टी.बी. मुक्त बनेगा। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को मध्यप्रदेश टी.बी. एसोसिएशन के 76वें टी.बी. सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने टी.बी. मरीजों को पौष्टिक आहार का वितरण किया। साथ ही निक्षय मित्रों, चिकित्सकों, दानदाताओं और समाज सेवी संस्थाओं का सम्मान किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने नागरिकों से कहा है कि अपनी योग्यता और क्षमता से टी.बी. रोगियों की मदद करें। मानवता की सेवा में ही जीवन की सार्थकता है। पीड़ित और जरूरतमंद की मदद पुण्य का महान कार्य है। इससे ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के एकजुट और एकमत विश्वास को व्यक्त करने आयोजन की थीम हाँ, हम टी.बी. को समाप्त कर सकते हैं की सराहना की। टी.बी. रोग उन्मूलन के सतत प्रयासों के लिए टी.बी. एसोसिएशन से संबद्ध समर्पित पदाधिकारियों, संबंधित विभागों और समाज सेवी संस्थाओं को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के टी.बी. मुक्त भारत अभियान के संकल्प को मध्यप्रदेश में जन आंदोलन बनाने के लिए साधुवाद दिया।

समय पर दवाई लें, पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम करें – राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. संक्रामक रोग है। इस रोग को समझना जरूरी है। सही समय पर सही और नियमित उपचार से रोग को खत्म किया जा सकता है। टी.बी. मरीज समय पर दवाई लें। दवाई का कोर्स पूरा भी करें। खान-पान का विशेष ध्यान रखें। भोजन में मोटे अनाज आदि पौष्टिक आहार को शामिल करें। भरपूर पानी पीयें नींद लें और नियमित व्यायाम करें। उन्होंने कहा कि रोगी अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत और संयमित रहें। अनुशासित जीवन शैली को अपनाएं।

राज्यपाल श्री पटेल का टी.बी. एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जयपाल सचदेव ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया और बैज लगाकर अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष श्री सचदेव ने स्वागत उद्बोधन दिया। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने टी.बी. रोग के इलाज, पौष्टिक आहार वितरण और रोग उन्मूलन के मानवीय प्रयासों के लिए टी.बी. एसोसिएशन, चिकित्सकों, दानदाताओं और समाजसेवियों की सराहना की। भोपाल नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने कहा कि टी.बी. रोग को समुचित इलाज और जागरूकता से हराया जा सकता है। वार्षिक प्रतिवेदन एसोसिएशन के सचिव डॉ. मनोज वर्मा ने प्रस्तुत किया। आभार कोषाध्यक्ष अभिजीत देशमुख ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में सी.एम.एच.ओ. डॉ. मनीष शर्मा, टी.बी. एसोसिएशन के पदाधिकारी, चिकित्सक, निःक्षय मित्र और समाज सेवी उपस्थित थे।

कीटनाशक के छिड़काव से बनी जहरीली गैस, बच्चे की मौत

ग्वालियर में गेहूं को घुन से बचाने के लिए छिड़का था कीटनाशक, तीन लोग बेहोश

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में कीटनाशक के छिड़काव से बनी जहरीली गैस से चार साल के बच्चे की मौत हो गई। जबकि उसकी बहन, मां–पिता बेहोश हो गए। जिन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया है। ये घटना सोमवार को गोला का मंदिर प्रीतम विहार कॉलोनी की है। बताया जा रहा है कि यहां एक मकान के पोर्च में भरे गेहूं को घुन से बचाने के लिए मकान मालिक ने सल्फास से बने कीटनाशक का छिड़काव कर दिया था। फिर घर के सारे दरवाजे बंद कर दिए थे। पोर्च के सामने दो कमरों में किराए से रहने वाला परिवार इस कीटनाशक से बनी जहरीली गैस का शिकार हो गया। मकान मालिक तीसरी मंजिल पर रहता था।

बदबू आने पर मकान मालिक ने देखा, तो परिवार बेहोश पड़ा था – सोमवार दोपहर के समय जब मकान मालिक नीचे आया तो काफी बदबू फैली हुई थी। उसने देखा कि उसके घर में किराए से रहने वाले परिवार में चार साल का मासूम, उसकी बहन, मां–पिता बेहोश पड़े थे। जिसके बाद उसने पड़ोसियों की मदद से सभी को हॉस्पिटल पहुंचाया है। यहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसकी बहन, मां–पिता का इलाज चल रहा है। घटना के बाद फॉरेंसिक एक्सपर्ट अखिलेश भार्गव ने भी स्पॉट देखा है। इधर, पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर जांच शुरू कर दी है।

सीधी में सिविल सर्जन के चेहरे पर कालिख पोती

निजी क्लीनिक से मरीज देखकर निकले थे, सरकारी अस्पताल में लोग हो रहे थे परेशान

सीधी (नप्र)। सीधी जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। सोमवार को जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे के चेहरे पर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कालिख पोत दी। यह घटना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित एक नर्सिंग होम के पास हुई।शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने आरोप लगाया है कि डॉ. खरे इस नर्सिंग होम से मरीज देखकर निकले थे। इसी दौरान कालिख पोती गई। क्योंकि वे प्राइवेट नर्सिंग होम में ड्यूटी टाइम में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उधर, सरकारी अस्पताल में मरीज परेशान हो रहे थे।विवेक पांडे ने इस पूरे विरोध प्रदर्शन को स्वयं रिकॉर्ड किया। घटना के बाद वे सीधे थाने पहुंचे और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। थाने के सामने उन्होंने बयान दिया कि उन्होंने पहले भी सिविल सर्जन के खिलाफ कलेक्ट्रेट में शिकायत पत्र दिया था।

प्रशासन को दी थी सूचना – वीवेक

पांडे ने कहा कि उन्होंने प्रशासन को सूचित किया था कि वे निजी नर्सिंग होम के सामने डॉक्टर के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को आहत करना नहीं था, बल्कि यह केवल विरोध प्रदर्शन था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना सामने आने के बाद उन्होंने सीधी एसपी संतोष कोरी से फोन पर बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनकी कॉल रिसीव नहीं हुई और न ही कोई प्रतिक्रिया मिली।

सिविल सर्जन ने कराई शिकायत – मामले में डीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि सिविल सर्जन द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। जब मीडिया ने पूछा कि आरोपी नेता ने स्वयं सरेंडर किया है या पुलिस ने गिरफ्तार किया है, तो डीएसपी ने कहा कि मामले की जांच जारी है और किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

कार्तिक माह में महाकाल की दूसरी सवारी निकली

चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में प्रजा का हाल जानने निकले, बड़ी संख्या में श्रृद्धालु की भीड़ सवारी मार्ग पर दिखी

उज्जैन (नप्र)। सोमवार को उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर की दो सवारियां सात घंटे के अंतराल में निकेंगी। यह विशेष संयोग इसलिए है क्योंकि इस बार कार्तिक माह की दूसरी सवारी और वैकुंठ चतुर्दशी एक ही दिन पड़ रहे हैं। महाकाल मंदिर प्रबंधन के अनुसार, रविवार आधी रात के बाद ही चतुर्थी तिथि शुरू हो जाएगी। शाम 4 बजे कार्तिक माह की दूसरी सवारी महाकाल मंदिर से निकली। सभागृह में पूजन के बाद कलेक्टर रोशन सिंह और एसपी प्रदीप शर्माने पालकी का पूजन किया। भगवान महाकालेश्वर श्री चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में रजत पालकी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। इस दौरान मंदिर के बहार सशस्त्र बलि की टुकड़ी ने पालकी में विराजित भगवान चन्द्रमोलेश्वर को सलामी दी। इसके बाद पुलिस बेंड महाकाल का अपना बेंड सवारी में शामिल हुए। सवारी में बाबा महाकाल की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु आतुर दिखाई दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रृद्धालु सवारी मार्ग पर दर्शन करने के लिए खड़े रहे।

सवारी का मार्ग- मंदिर से पालकी गुदरी चौराहा, बख्शी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर मां क्षिप्रा के जल से पूजन के बाद सवारी गणगौर दरवाजा, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी चौराहा होते हुए सवारी शाम करीब 7 बजे वापस महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

रात 11 बजे हरिहर मिलन की सवारी मंदिर से निकाली जाएगी –मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि पूजन और आरती के बाद पालकी राजसी ठाठ-बाट के साथ मंदिर से निकलेगी। बाहर पुलिस दल भगवान को सलामी देगा। सवारी में बैंड, घुड़सवार और पालकी शामिल होगी।

रात को दूसरी सवारी भी निकलेगी –रात 11 बजे महाकाल मंदिर से गोपाल मंदिर तक दूसरी सवारी निकलेगी। वैकुंठ चतुर्दशी पर भगवान महाकाल भगवान विष्णु को सृष्टि का भार सौंपेंगे। सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, पटनी बाजार होते हुए द्वारकाधीश गोपाल मंदिर पहुंचेगी। हरिहर मिलन के दौरान रुद्राक्ष और बिल्व पत्र की पूजा होगी। इस बार प्रशासन ने आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाया है।

दो सवारी और निकलेगी – श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक एवं अगहन मार्गशीर्ष माह में निकलने वाली श्री महाकालेश्वर भगवान की तीसरी सवारी 10 नवंबर और चौथी सवारी 17 नवंबर 2025 को निकाली जावेगी।